सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 197 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 01 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नक्सल मुठभेड़ के दौरान जवान पर जंगली भालू का हमला

कांकेर। मंगलवार को दोपहर डीआरजी और एसटीएफ की टीम को बड़ी कामयाबी हाथ लगी। जवानों ने कांकेर-नारायपुर सीमा में अबूझमाड़ इलाके के टेकमेटा में नक्सलियों की घेराबंदी कर 10 नक्सलियों को ढेर का दिया। लेकिन इसी बीच एक और खबर सामने आई हैं। जानकारी के मुताबिक, जंगल में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान एक जंगली भालू ने एसटीएफ के एक जवान पर एकाएक हमला कर दिया। इस हमले में जवान गंभीर रूप से घायल हुआ हैं। जवान को गंभीर हालत में एयरलिफ्ट कर राजधानी रायपुर लाया गया। यहाँ जिला अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। गौरतलब हैं कि अबूझमाड़ के तेलमेटा में मंगलवार को डीआरजी और एसटीएफ के जवानों की नक्सलियों से भीषण मुठभेड़ हुई थी। दोनों तरफ से घंटों तक गोलीबारी हुई। मुठभेड़ थमने के बाद जवानों ने मौके से 10 नक्सलियों के शव बरामद किए। घटनास्थल से शवों के अलावा एके 47 समेत बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं। इस मुठभेड़ में सभी जवान सुरक्षित हैं जबकि एक जवान भालू के हमले से गंभीर रूप से घायल हुआ हैं।

ट्रक ने पिकअप व सवारी वाहन को मारी ठोकर, दर्जनों घायल

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर से कांकेर मुख्य मार्ग पर चीजगांव मोड़ के समीप एक अनियंत्रित ट्रक से पिकअप व सवारी वाहन की टक्कर से एक दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में हुआ। करमोती गांव में नेताम परिवार के घर शादी चल रहा है जिसकी बारात बैजनपूरी जा रहे थे। सामने में पिकअप चल रही थी पीछे क्रूजर सवारी वाहन थी। लौह अयस्क से लदी ट्रक सड़क में लहराने लगा फिर ट्रक का टायर फट गया और पिकअप को ठोकर मारकर सवारी गाड़ी में जा टकराई।अचानक हुए टक्कर से कई लोग घायल हो गए। इसके बाद लोग वहां जमा हुए एवं घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की कई की हालत गम्भीर बताई जा रही है।

आधा दर्जन सीटों पर 23 साल का बनवास!

1 सीट पर दूसरे चरण में हो चुका है मतदान, 5 सीटों पर तीसरे चरण में होगी वोटिंग, कांग्रेस ने लगाया पूरा जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की आधा दर्जन सीटें ऐसी भी हैं, जहां पिछले 23 वर्षों से कांग्रेस का बनवास खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इनमें से एक सीट पर दूसरे चरण में वोटिंग हो चुकी है, जबकि 5 सीटों पर तीसरे दौर में मतदान होना है। इन सीटों को जीतने के लिए इस बार कांग्रेस ने पूरा जोर लगा दिया है। राज्य में तीसरे चरण में कुल 7 सीटों पर मतदाता अपना निर्णय देंगे। इनमें बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर चाम्पा, कोरबा और दुर्ग की सीटें शामिल है। इनमें से दुर्ग और कोरबा को छोड़ दें तो बाकी की 5 सीटों पर कांग्रेस जीत को तरसती रही है। जबकि एक और सीट कांकेर की है, जहां मतदान पश्चात कांग्रेस को काफी अपेक्षाएं हैं। हालांकि भाजपा का दावा है कि इस बार कांग्रेस को राज्य की एक सीट भी जीतने को नहीं मिलेगी। फिर भी इस लोकसभा चुनाव में कई ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा व कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला है और जीत का सेहरा किसी के भी सिर बंध सकता है।

छत्तीसगढ़ में तीसरे व अंतिम चरण का मतदान 7 मई को होने जा रहा है। इस दिन रायपुर के साथ ही बिलासपुर, सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, कोरबा और दुर्ग सीटों पर वोटिंग होगी। छत्तीसगढ़ में कई ऐसी सीटें हैं जहां राज्य गठन के बाद कांग्रेस कभी नहीं जीती। इनमें बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कांकेर, रायगढ़, रायपुर और सरगुजा लोकसभा सीटें शामिल है। यह सीटें पिछले 23 साल से भाजपा का गढ़ बनी हुई हैं। प्रदेश में सरकार बनने के बाद भी कांग्रेस इसमें सेंध नहीं लगा सकी जबकि कांग्रेस के बड़े नेता इन सीटों पर चुनाव लड़ चुके हैं। इस बार भी कांग्रेस ने अपने बड़े नेताओं के चेहरों पर दांव लगाकर कई सीटों पर कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की है। राजनीतिक पंडितों का भी अनुमान है कि भाजपा के लिए इस बार की राह उतनी आसान नहीं होने वाली। खासतौर पर सरगुजा, कोरबा और दुर्ग की सीटों पर उसे खासी टक्कर मिलेगी।

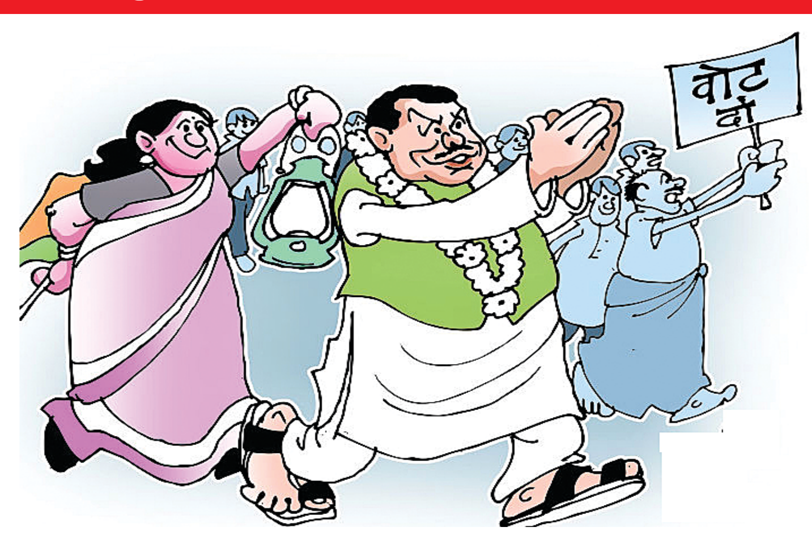

जांजगीर-चांपा में हारे नामचीन

कांग्रेस के कई नामचीन नेताओं को जांजगीर चांपा सीट पर हार मिली है। राज्य गठन के बाद इस लोकसभा सीट पर 2004 से 2019 तक भाजपा जीतती आ रही है। 2004 में इस लोकसभा सीट में बीजेपी की करुणा शुक्ला ने कांग्रेस के डॉ चरणदास महंत को 11329 मतों से हराया था। 2009 में बीजेपी की कमला देवी पाटले ने कांग्रेस के डॉ शिवकुमार डहरिया पर 87211 वोटों से जीत दर्ज की थी। 2014 में बीजेपी की कमला पाटले से कांग्रेस के प्रेमचंद जायसी 391978 वोटों से हार गए थे। इसी तरह 2019 में बीजेपी के गुहाराम अजगले ने कांग्रेस के रवि परसराम भारद्वाज को 83255 वोटों से मात दी थी। वर्तमान में कांग्रेस ने यहां से पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया को प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा से कमलेश जांगड़े मैदान में हैं। इस बार भी यहां कोई बड़ा परिवर्तन होता नहीं दिख रहा है।

सामाजिक राजनीति में फँसी बिलासपुर सीट

बिलासपुर की सीट इस बार जातीय व सामाजिक राजनीति में फँसती नजर आई है। कांग्रेस ने यहां से भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव को इसलिए प्रत्याशी बनाया, क्योंकि यह क्षेत्र यादव बाहुल्य है। भाजपा ने लोरमी के पूर्व विधायक तोखन साहू को टिकट दी है। राज्य गठन के बाद बिलासपुर लोकसभा सीट पर 2004 से 2019 तक बीजेपी का कब्जा रहा है। 2004 में बीजेपी से पुन्नलाल मोहले और कांग्रेस से बसंत पहरे चुनाव लड़े थे। पुन्नूलाल मोहले को 324729 वोट मिले जबकि बसंत पहरे 81553 वोटों से हार गए थे। 2009 में बीजेपी से दिलीप सिंह जूदेव और कांग्रेस से डॉ. रेणु जोगी ने चुनाव लड़ा था। इसमें दिलीप सिंह जूदेव को 347930 वोट मिले थे। डॉ. रेणु जोगी से उनकी जीत का मार्जिन 20139 था। 2014 में बीजेपी से लखनलाल साहू और कांग्रेस से करुणा शुक्ला खड़ी हुई थीं। लखनलाल साहू को 561387 वोट मिले थे। करुणा शुक्ला से उनकी जीत का मार्जिन 124359 था। इसी तरह 2019 में अरुण साव ने कांग्रेस के अटल श्रीवास्तव को 141763 वोटों से हराया था।

सरगुजा के 'खेल' पर भाजपा की नजर

पिछले लोकसभा चुनाव में इस सीट से भाजपा की रेणुका सिंह ने जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार सरगुजा में 'खेल' होने की संभावना जताई जा रही है। शायद यही वजह है कि भाजपा के स्टार प्रचारकों के दौरे इस सीट पर लगातार हो रहे हैं। भाजपा अपनी इस परंपरागत सीट को पाने के लिए काफी जोर आजमाइश कर रही है। 2004 में इस लोकसभा सीट में बीजेपी से नंदकुमार साय ने कांग्रेस से खेलसाय सिंह को 103452 से हराया। 2009 में बीजेपी से मुरारीलाल सिंह ने कांग्रेस के भानुप्रताप सिंह को 159548 से मात दी। 2014 में बीजेपी से कमलभान सिंह मरावी और कांग्रेस से रामदेव राम मैदान में थे। इस चुनाव में कमलभान ने रामदेव को 147236 से हराया। 2019 में बीजेपी की रेणुका सिंह ने कांग्रेस के खेलसाय सिंह को 157873 से परास्त किया। भाजपा ने इस सीट से चिंतामणि महाराज को उतारा है तो कांग्रेस से युवा नेत्री शशि सिंह मैदान में हैं।

विष्णु का नाम, विष्णु का काम

रायगढ़ सीट को भाजपा का अपराजेय गढ़ बनाने में वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अहम् भूमिका रही है। राज्य निर्माण के बाद साय इस सीट से लगातार तीन बार जीते। इस सीट पर 2004 से 2019 तक कांग्रेस को जीत नहीं मिल सकी है और भाजपा का कब्जा बरकरार है। 2004 में यहां से बीजेपी से विष्णुदेव साय ने कांग्रेस के रामपुकार सिंह को हराया, 2009 में साय फिर उम्मीदवार बने और कांग्रेस के हृदयराम राठिया से जीते। 2014 में साय ने एक बार फिर जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस की आरती सिंह को परास्त किया। 2019 में बीजेपी से गोमती साय ने कांग्रेस के लालजीत सिंह राठिया को 66027 वोटों से हराया। इस बार कांग्रेस ने तत्कालीन सारंगढ़ रियासत के राजा नरेशचंद्र के परिवार से ताल्लुक रखने वाली मेनका सिंह को उतारा है, जबकि भाजपा से राधेश्याम राठिया प्रत्याशी हैं। यहां दोनों प्रत्याशियों के बीच अच्छे मुकाबले के आसार हैं। ले ने कांग्रेस के डॉ शिवकुमार डहरिया पर 87211 वोटों से जीत दर्ज की थी। 2014 में बीजेपी की कमला पाटले से कांग्रेस के प्रेमचंद जायसी 391978 वोटों से हार गए थे। इसी तरह 2019 में बीजेपी के गुहाराम अजगले ने कांग्रेस के रवि परसराम भारद्वाज को 83255 वोटों से मात दी थी। वर्तमान में कांग्रेस ने यहां से पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया को प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा से कमलेश जांगड़े मैदान में हैं। इस बार भी यहां कोई बड़ा परिवर्तन होता नहीं दिख रहा है।

रायपुर में चलेगा बृजमोहन का जादू

रायपुर को कांग्रेस के पंजे से छुड़ाने में रमेश बैस का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान में इस सीट से भाजपा ने एक बार फिर ब्रह्मास्त्र चला है, जिसका तोड़ कांग्रेस के पास नहीं दिख रहा है। कांग्रेस ने इस सीट से युवा नेता विकास उपाध्याय को उतारा है। विकास 2018 में विधानसभा का चुनाव जीते थे, लेकिन हालिया सम्पन्न विधानसभा चुनाव में उन्हें पराजय का मुंह देखना पड़ा। जबकि बृजमोहन अजेय रहे है। वे लगातार 35 वर्षों से विधायक हैं। राज्य बनने के बाद 2004 से 2019 तक भाजपा को इस सीट पर लगातार जीत मिलती रही है। बीजेपी से रमेश बैस लगातार तीन चुनाव जीते। 2004 में उन्होंने कांग्रेस के श्यामाचरण शुक्ला को तो 2009 में भूपेश बघेल को और 2014 में सत्यनारायण शर्मा को शिकस्त दी। 2019 में बीजेपी के सुनील सोनी ने कांग्रेस के प्रमोद दुबे को मात दी थी। आखिरी बार यहां कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल 1991 में जीते थे। इसके बाद कांग्रेस का दाँव कभी सफल नहीं हुआ।

डोंगरगढ़ में तापमान 44 डिग्री तक पहुंचा

5 दिन जमकर बरसेगी आग, रायपुर-दुर्ग में पारा 42 पार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में सर्वाधिक गर्मी राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में पड़ रही है। यहां मंगलवार को तापमान करीब 44 डिग्री पर पहुंच गया। पिछले एक पखवाड़े से भी ज्यादा वक्त से डोंगरगढ़ प्रदेश में सर्वाधिक गर्म है। वहीं प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में तापमान 42 डिग्री के आसपास है।

राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में मार्च के महीने से गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। अप्रैल के महीने में 3 से 4 बार द्रोणिका और चक्रवात की वजह से मौसम में थोड़ा बदलाव देखने को मिला। पारा 8 से 10 डिग्री गिरकर 30 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे लोगों को राहत मिली। लेकिन बीते कुछ दिनों से छत्तीसगढ़ में गर्मी बढ़ गई हैं। लगभग सभी जिलों में भयंकर गर्मी पड़ रही है। अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पास पहुंच गया है।

मौसम विभाग की माने तो अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। गर्मी की वजह से लोग पसीने से तरबतर हो रहे हैं। राजधानी रायपुर की बात करें तो मंगलवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज बुधवार को मौसम ड्राई रहने की जानकारी दी है। मौसम वैज्ञानिक संजय बैरागी के मुताबिक, रायपुर बिलासपुर, दुर्ग व राजनांदगांव में तापमान 42 डिग्री के पार रहेगा। वहीं जगदलपुर में 39.5 व अंबिकापुर में 40.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

70 साल के बुजुर्ग ने की नाबालिग से रेप की कोशिश

अंबिकापुर। जिले से एक बड़ी खबर आई है। यहां एक नाबालिग से दुष्कर्म की कोशिश की गई है। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रयास करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं इस घटना के बाद से लोगों मे आक्रोश व्याप्त है। लोग आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर में एक 70 साल के बुजुर्ग ने घर में काम करने वाली नाबालिग से दुष्कर्म करने का प्रयास किया। इस घटना के बाद बुजुर्ग ने नाबालिग को यह बात किसी को न बताने की धमकी भी दी थी, लेकिन नाबालिग ने हिम्मत जुताई और थाने पहुंचकर इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई। नाबालिग की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया है।

सैक्स रैकेट फूटा, 9 युवतियों समेत 19 पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में सेक्स रैकेट का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने दबिश देकर जिस्मफरोशी के धंधे का भंडाफोड़ किया है। इस खुलासे से कॉलोनी में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से दलाल समेत 9 युवती व 11 युवक को पकड़ा है। यह मामला सकरी थाना क्षेत्र का है। बता दें कि किराए के मकान में जिस्मफरोशी का धंधा धड़ल्ले से चल रहा था। सकरी पुलिस की छापामार कार्रवाई के बाद देह व्यापार से जुड़े बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, सकरी पुलिस को सूचना मिली किअमेरी व आसमा सिटी में काफी दिनों से सेक्स रैकेट का अवैध धंधा चल रहा है। सूचना के आधार पर सकरी पुलिस ने अलग-अलग टीम बना कर सकरी स्थित आसमा सिटी व अमेरी के कुछ स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने दबिश के दौरान घटना स्थल से अलग-अलग जगहों से 9 महिलाएं व 11 युवकों को गिरफ्तार किया है। गिफ्तार युवक मुंगेली जिले के रहने वाले हैं, वहीं महिलाएं भी दूसरे राज्य की बताई जा रही हैं।

ऐसी बनाई योजना की टुकड़े-टुकड़े हो गया समाज

श्रीकंचनपथ

वोट बैंक की राजनीति अकेले कांग्रेस ने नहीं की है। तुष्टिकरण का यह खेल बहुत पेचीदा है। कोई जाति के आधार पर तो कोई धर्म के आधार पर तुष्टिकरण करता है। आजादी के बाद के कुछ वर्षों तक लागू रहने वाली आरक्षण योजना आज तक चल रही है। लोग खुद को अनुसूचित जाति-जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग का घोषित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा देते हैं। इनके प्रमाणीकरण के लिए जमकर घूसखोरी भी होती है। आलम यह है कि अब केवल दो ही राज्य ऐसे रह गए हैं जहां आरक्षण 50 प्रतिशत से कम है। पांच राज्यों में आरक्षण 80 प्रतिशत या उससे अधिक है तो वहीं अंडमान की पूरी आबादी आरक्षित है। समझ में ही नहीं आता कि किसे किससे आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। आरक्षण के इसी मुद्दे पर लंबे समय से सरकारें बनती-बिगड़ती रही हैं। सरकार की अधिकांश योजनाओं का यही हाल है। जब सरकार किसी वर्ग विशेष पर मेहरबान होती है तो उसे छप्पर फाड़ कर देती है। उस वर्ग को इतने लाभ देने की घोषणा कर देती है सभी उसमें शामिल होने की जुगत लगाने लगते हैं। कुछ ऐसा ही मामला है पंजीकृत मजदूरों को दी जाने वाली सुविधाओं का। दरअसल, पेशा मजदूरी का हो या न हो, एक बार इसमें नाम लिखा गया तो बेशुमार योजनाओं का लाभ मिलने लगता है। बीपीएल कार्ड बनने के अलावा पंजीकृत मजदूरों को साइकिल, सिलाई मशीन खरीदने के लिए भारी सब्सिडी दी जाती है। प्रसूति के अलावा गंभीर बीमारी में विशेष सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा उपकरण सहायता, ई-रिक्शा खरीदी, दिव्यांग सहायता योजना तथा मृत्यु पर विशेष अनुदान जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। इन्हीं सुविधाओं की वजह से लोगों में मजदूर के रूप में अपना पंजीयन कराने की होड़ मची हुई है। राज्य में फिलहाल 42 लाख 69 हजार 411 पंजीकृत मजदूर हैं। पिछले एक साल में मजदूरों की संख्या में 4।15 लाख का इजाफा हुआ। इसी अवधि में 26 लाख आवेदन रद्द भी किए गए। प्रदेश में 17 लाख 73 हजार 656 असंगठित मजदूर पंजीकृत हैं। इसके साथ ही 24 लाख 95 हजार 755 भवन संन्निर्माण मजदूर हैं। बीते वित्तीय वर्ष में भवन निर्माण केटेगरी में ही 3 लाख 6 हजार 596 नए मजदूर रजिस्टर किए गए। इसके साथ ही एक लाख 9 हजार 35 नए असंगठित श्रमिक भी पंजीकृत किए गए। भवन संन्निर्माण मजदूरों की संख्या का बढ़ना तो फिर भी समझ में आता है। देश फिलहाल निर्माण मोड पर है। बस्ती वालों के घर सरकारी सहायता से पक्के हो रहे हैं। हर खाली मैदान पर कालोनी खड़ी हो रही है। आवासीय योजना के तहत हजारों की संख्या में मकान-दुकान-फ्लैट बन रहे हैं। इसलिए ईंट भट्ठों और रेत खदानों पर लोगों को काम मिल रहा है। खेती-किसानी, कारखानों और अन्य उद्योगों में मजदूरों का टोटा है। मिडिल क्लास को क्या अगले चुनाव तक इंतजार करना होगा?

संपादकीय

शोषण का दाग

भाजपा के यह नेता काफी दिनों से प्रयासरत थे कि रेवन्ना को फिर टिकट न मिले। कहा जा रहा है कि भाजपा नेता देवराजे गौड़ा ने हासन लोकसभा सीट के लिए एनडीए उम्मीदवार के रूप में रेवन्ना के नाम की घोषणा से पहले ही भाजपा के स्थानीय नेताओं को प्रमाण के साथ सूचित कर दिया था, पर रेवन्ना के खिलाफ शिकायतों को दरकिनार कर चुनाव लड़वाया जा रहा है। कुछ ऐसे वीडियो भी बताए जा रहे हैं, जिनसे रेवन्ना के खिलाफ मामला बनता है, उसके बावजूद उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए टिकट दिया गया।

जनता दल-सेकुलर के इस नेता पर लगे आरोप अगर सच हैं, तो फिर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। हमारा समाज ऐसे मुकाम पर आ गया है, जहां हम किसी महिला के साथ न तो ज्यादती की बात सुन सकते हैं और न किसी को करने दे सकते हैं। कोई अचरज नहीं कि आज सवालों का अंबार लग गया है। रेवन्ना जैसे युवा राजनीति में क्या कर रहे हैं? ऐसे युवाओं को राजनीति में कौन आगे बढ़ा रहा है? क्या जीत का मजबूत समीकरण किसी नेता के चरित्र से ज्यादा महत्वपूर्ण है? ऐसे कौन नेता हैं, जो सब कुछ जानने के बावजूद रेवन्ना के पक्ष में खड़े हैं? जनता दल-सेकुलर के लिए यह शर्मनाक पल है। गठबंधन की राजनीति की वजह से ही ऐसे दलों का महत्व बना हुआ है, वरना सेवा की जिम्मेदारी के साथ ऐसा खिलवाड़ भला कौन बर्दाश्त करेगा? ऐसा नहीं है कि किसी पार्टी का दामन बिल्कुल साफ है, अतः हरेक पार्टी को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। भारतीय राजनीति में इस तरह के दाग वाले कितने नेता हैं? अब अगर कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो क्लिप प्रसारित होने लगे हैं, तो वर्तमान कनार्टक सरकार इस पूरे मामले को गंभीरता से ले। ध्यान रहे, रेवन्ना के खिलाफ शिकायत कुछ महिलाओं के शोषण तक सीमित नहीं है, आशंका है, अनेक शिकायतें अब सामने आएंगी और पूरी ईमानदारी से हर शिकायत को परखना होगा।

> लोकतंत्र और संविधान का संदेश यही है कि भारतीय राजनीति में जनसेवा के अलावा और किसी अन्य कार्य के लिए कोई स्थान नहीं है। सेवा की प्रधानता के बावजूद हासन के निवर्तमान सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ लगे यौन शोषण के आरोप बहुत गंभीर और शर्मनाक हैं। रेवन्ना देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पौत्र हैं और उन पर ऐसे आरोप लगे हैं कि उन्हें अब कोई भी कुल का दीपक नहीं कहेगा। दबी जुबान में रेवन्ना की हरकतों की चर्चा पहले भी होती होगी, पर इन दिनों भाजपा के एक नेता के पत्र ने बहुतों को झकझोर कर रख दिया है।

सबसे ज्यादा गंभीर बात तो यह है कि आरोपी जर्मनी भाग गया है। विपक्ष स्वाभाविक ही यह पूछ रहा है कि रेवन्ना को किसने भगाया? कर्नाटक महिला आयोग की अध्यक्ष डॉक्टर नागलक्ष्मी के पत्र के बाद कर्नाटक सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन कर दिया है और जांच दल को राजनीति से प्रभावित हुए बिना कानून सम्मत कार्रवाई को अंजाम देना है। ऐसे मामलों में न पक्षपात हो और न लीपापोती। अगर रेवन्ना दोषी हैं, जो कानून का सामना करना चाहिए। अगर वह कानून से भागेंगे, तो इससे उनकी पार्टी और एनडीए, दोनों को ही नुकसान होगा। यह तमाम सियासी खानदानों के लिए भी सोचने का समय है। सत्ता का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग ज्यादा समय तक लाभकारी नहीं होता है। कभी न कभी कोई पीड़ित हिम्मत के साथ सामने आ जाता है और तब मुंह छिपाना मुश्किल हो जाता है।

नजरिया

> देश अपनी अठारहवीं लोकसभा को चुनने में व्यस्त है और चुनावों के शोर-शराबे में एक महत्वपूर्ण चर्चा गुम हो गई है। शनिवार 20 अप्रैल को राजधानी नई दिल्ली के एक सेमिनार में बोलते हुए देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम को इंगित करते हुए कहा कि हाल में भारतीय संसद में पारित तीन नए कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के साथ भारत का आपराधिक न्याय संबंधी कानूनी ढांचा एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि ये तीनों कानून पहली जुलाई से अस्तित्व में आ जाएंगे। खुद प्रधान न्यायाधीश के शब्दों में, 'मैं समझता हूं कि संसद द्वारा इन तीन नए कानूनों को पारित करने से यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि भारत अब बदल रहा है। भारत आगे बढ़ रहा है और हमें अपने समाज के भविष्य के समक्ष आने वाली रोजमर्रा की चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी औजारों की जरूरत है।

न्याय में तेजी लाएंगे तीन नए कानून

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

प्रधान न्यायाधीश ने प्रचलित के स्थान पर नए कानूनों के पारित होने को एक ऐतिहासिक क्षण बताया, क्योंकि उनके शब्दों में 'दूसरे कोई भी कानून हमारे समाज की रोजमर्रा की गतिविधियों को इन फौजदारी कानूनों से अधिक प्रभावित नहीं करते।'

ऐसा क्या है इन तीन संशोधित कानूनों में, जिनके चलते प्रधान न्यायाधीश को इनका संसद में पारित किया जाना युगांतकारी लगा? इसके लिए जरूरी है कि जिन तीन कानूनों की जगह ये नए कानून ले रहे हैं, उनकी पृष्ठभूमि, उद्देश्य और दीर्घकालीन भूमिका को समझ लिया जाए। साल 1857 के विद्रोह को दबाने और ईस्ट इंडिया कंपनी से शासन अपने हाथ में लेने के बाद ब्रिटिश शासकों को संसद द्वारा पारित ऐसी संहिताओं की जरूरत महसूस हुई, जिनसे वे अपना शासन तो सुरक्षित कर ही लें और साथ यह भी दावा कर सकें कि उनके उपनिवेश भारत में कानून और कायदे का राज्य है। इसी मकसद से 1860 के दशक में तीन महत्वपूर्ण कानून भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (इंडियन एवीडेंस ऐक्ट) ब्रिटिश संसद से पारित होकर, कुछ अपवादों को छोड़कर, देश भर में लागू किए गए।

इन कानूनों को बनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य तो 1857 जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना और दुनिया को ब्रिटिश राज्य के न्याय प्रिय होने का संदेश देना था, पर इनके चलते भारतीय समाज ने अभूतपूर्व सांस्कृतिक झटके महसूस किए। यह पहला मौका था, जब वर्णाश्रम पर आधारित इस समाज में न्याय के सामने सभी नागरिक समान समझे जाने वाले थे। समान अपराध के लिए ब्राह्मण और शूद्र को एक समान दंड मिलता और दोनों की गवाही की कीमत भी समान होती। मैकाले की बनाई दंड संहिता बहुत ही विस्तृत और मानव जीवन के हर पहलू को छूने वाली थी। यह हुआ भी, पर तेजी से बदलती दुनिया में कोई भी व्यवस्था डेढ़ सौ वर्षों से अधिक समय तक अपरिवर्तनीय नहीं रह सकती। एक औपनिवेशिक शासन के सुदृढ़ बने रहने में मदद करने के लिए बनाई गई संहिताओं ने बखूबी अपनी भूमिका निभाई, पर क्या एक स्वतंत्र भारत में इन्हें बदला नहीं जाना चाहिए था? विकास के पथ पर तेजी से बढ़ने की कोशिश करने वाले समाज में स्वाभाविक रूप से बड़ी आर्थिक हलचलें होनी थीं और इनसे आर्थिक अपराधों की नई श्रेणियां निर्मित होनी थीं। बहुत सारी उप-राष्ट्रीयताओं को एक बड़ी राष्ट्रीयता में समाहित करने की दुष्कर प्रक्रिया भी लंबी खिंचनी थी। इन सबसे अधिक पराधीनता में रहने के आदी नागरिकों के विशाल समूह को किसी स्वतंत्र गणतांत्रिक समाज का नागरिक बनाना भी कोई आसान काम नहीं था। इन सबके लिए जरूरी था कि हमारे कानूनों को बदलते यथार्थ के अनुकूल बनाया जाए। यह अलग बात है कि आजादी हासिल करने के 75 वर्षों बाद ही ये बहुप्रतीक्षित परिवर्तन हो सके।

हममें से जिनका भी साबका भारतीय न्याय प्रणाली से पड़ा है, उनमें से शायद ही किसी के अनुभव सुखद रहे हों। एक अनुभव जिससे सभी सहमत होंगे कि न्याय हासिल करने की पूरी प्रक्रिया बड़ी उबाऊ और थका देने वाली होती है। दीवानी मुकदमों में तो कहावत ही है कि किसी भी वाद का फैसला तीसरी पीढ़ी में होता है। फौजदारी अदालतों की रफ्तार का अंदाजा सिर्फ एक प्रकरण से लगाया जा सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ जब पहला आपराधिक मुकदमा दर्ज हुआ, तब उसकी 17 साल थी और जब उसे पहली सजा मिली, उसकी 57 साल हो चुकी थी। नए कानूनों के अनुसार, किसी फौजदारी मुकदमे में तीन साल के अंदर फैसला हो जाना चाहिए। यह एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि आज के दिन तो पीड़ित को छोड़कर सारे भागीदारों-जिम्मेदारों की दिलचस्पी मुकदमे को लंबा खींचने में होती है। न्याय के इन भागीदारों में पुलिस, वादकारी, वकील सभी शरीक हैं। न्यस्त स्वार्थ कोई न कोई नुक्ता तलाश कर मुकदमे की कार्यवाही को लंबा घसीटते रहते हैं और नतीजतन मुख्तार अंसारी जैसे धनवान बाहुबली दशकों छुट्टे घूमते रह सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि नई व्यवस्था कैसे फैसलों के लिए तीन साल की अवधि सीमा लागू करवा सकेगी।

गृह मंत्री अमित शाह और उनके मंत्रालय को जहां वर्षों की जद्दोजहद के बाद पुरानों को बदलकर नए कानून लाने की शाबाशी मिलनी चाहिए, वहीं उन्हें न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की यह सलाह भी याद रखनी होगी कि 1 जुलाई से लागू होने वाले इन कानूनों की सफलता या सार्थकता इन्हें लागू करने वालों की इच्छाशक्ति और नेकनीयती पर निर्भर करेगी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के अनुसार, इनके सफल कार्यान्वयन के लिए जरूरी है कि हम अपने फोरेंसिक विशेषज्ञों की क्षमता वृद्धि के लिए पर्याप्त निवेश करें, विवेचनाधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करें और अदालती निजाम को सुधारने के लिए संसाधनों की कमी न होने दें। उनके अनुसार, नए कानूनों का सकारात्मक प्रभाव दिखाने के लिए बिना विलंब अधिकतम निवेश करने की जरूरत है। यदि हम विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचे बनाने का दावा कर सकते हैं, तो कोई भी कारण नहीं कि हम विश्वस्तरीय अदालतें, पुलिस तंत्र या जेलें क्यों नहीं बना सकते? इनके लिए हमें बड़े पैमाने पर निवेश करने होंगे, पर इससे कौन इंकार करेगा कि विशाल भारतीय जनता को सुगम न्याय दिलाने के लिए यह करना कोई महंगा सौदा नहीं होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गंभीर कदम उठाने होंगे

सुशील देव

कई वजहों हमारा पर्यावरण और वातावरण दूषित हो रहा है, जिसके हम किस्तों में शिकार बन रहे हैं। मिलावटी खाद्य पदाथरे के कारण हम पहले से ही कई बीमारियों की जद में हैं, लगातार प्रदूषण के कारण हमारी सांसें उखड़ रही हैं तो आए दिन जलवायु परिवर्तन की वजहों से हमें अकल्पनीय विपत्तियों के दौर से गुजरना पड़ रहा है। उस पर घातक व मारक माइक्रो प्लास्टिक ने हमें चिंता में डाल दिया है। प्लास्टिक के कण जाने-अनजाने में हमारी आंखों से होते हुए शरीर के महत्त्वपूर्ण अंगों तक पहुंच रहे हैं, जो हमारे दिमाग पर भी असर डालने लगा है। दिमाग तक असर डालने का मतलब मानव जाति के लिए प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खतरनाक संदेश दे रहे हैं। इसलिए हमें इस खतरे को देखते हुए पहले ही चेत जाना चाहिए।

द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको एंड हेल्थ साइंसेज से जुड़े वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में यह दावा किया है कि माइक्रो प्लास्टिक ने हमें गहरे तौर पर अपने शिकंजे में ले लिया है, इससे छुटकारा पाने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे, वरना स्थिति बहुत भयावह होने वाली है। अध्ययन के मुताबिक प्लास्टिक प्रदूषण के महीन कण भोजन, पानी और हवा में घुल चुके हैं जो न केवल हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं बल्कि हमारे आंतों से होते हुए शरीर के अन्य अहम अंगों जैसे गुर्दा, लीवर और मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। दूसरा अध्ययन यह भी बताता है कि माइक्रो प्लास्टिक समुद्री जानवर और पौधों में भी पाए गए हैं। इतना ही नहीं, हम जिस बोतल बंद पानी को शान से शुद्धता की दुहाई देकर पीते हैं उनमें भी माइक्रो प्लास्टिक के अंश मिल रहे हैं।

यह बेहद महीन कण होते हैं जिसे हम नंगी आंखों से नहीं देख सकते, जो अत्यंत जहरीले और केमिकल की शक्ल में होते हैं। आज प्लास्टिक किसी न किसी रूप में घर-घर में घुस चुका है जिससे छुटकारा पाना बेहद कठिन प्रतीत होता है। प्लास्टिक कप, थर्मोकोल, सजावट के समान, प्लास्टिक स्ट्रॉ, पैकेजिंग फिल्म, पीवीसी बैनर, गुब्बारे लगाने वाली प्लास्टिक की डांडिया, प्लास्टिक बैग, झंडा, टॉफी कैंडी के स्टिक, प्लास्टिक के बर्तन, शादी कार्ड, मिठाई के डब्बे, दवा की की बोतलें, बाल्टी आदि से लेकर सैकड़ों घरेलू वस्तुएं जो हमारे दैनिक जीवन व्यवहार में हैं, उनसे छुटकारा पाना बेहद कठिन प्रतीत होता है। हालांकि सरकार और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की पहल से सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प समय-समय पर सुझाए गए हैं। कई योजनाओं पर काम भी चल रहे हैं। मगर इसके खतरनाक परिणाम को लोग अभी भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मोटा-मोटी जूट बैग, प्लैटिनम, सिलिकॉन, स्टेनलेस स्टील, कांच, मिट्टी के बर्तन या चीनी मिट्टी के उत्पादों का इस्तेमाल करके हम इस खतरे से थोड़ा बच सकते हैं। प्लास्टिक पर्यावरण वन्य जीवन और आमजन के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

यह प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है और इससे निकलने वाले जहरीले रसायन भूजल को प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे घातक जानलेवा बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने माइक्रो प्लास्टिक की मात्रा की पहचान करने के लिए चूहों पर अध्ययन किया जिसमें पाया कि चूहे तो सिर्फ चार सप्ताह के लिए माइक्रो प्लास्टिक के संपर्क में आए थे तब उनमें कई तरह की खतरनाक बदलाव देखे गए। शोधकर्ताओं ने इंसानी शरीर में जमा होते माइक्रो प्लास्टिक को लेकर गहरी चिंता जताई है क्योंकि धीरे-धीरे हमारे शरीर के अंगों से होते हुए अब यह इंसानी मस्तिष्क को प्रभावित करने लगा है।

सरकार इस समस्या के निदान के लिए कार्य तो कर रही है, लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई जो चिंताजनक है। गौरतलब है कि पूरे देश में एक जुलाई 2022 को सिंगल यूज प्लास्टिक के 20 आइटमों को प्रतिबंधित किया गया था। दिल्ली में इन आइटमों पर प्रतिबंध के बावजूद रोक अब तक प्रभावी नहीं दिखी है। अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी यानी डीपीसीसी ने इसके लिए एसओपी तैयार कर ली है। दिल्ली में लंबे वक्त से सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगी हुई है। बार-बार अभियान चलाए जाने के बावजूद ये रोक असरदार साबित नहीं हुई है। बड़ी बात यह है कि इनका उत्पादन और बिक्री बंद नहीं हुई है। दिन-ब-दिन प्लास्टिक हमारे ईको-सिस्टम को बर्बाद कर रहा है। इसका संयुक्त भार प्रतिवर्ष करीब 300 मिलियन टन है जो जलमागरे और समुद्रों को अवरुद्ध कर रहा है, सड़कों को जाम कर रहा है, वन्यजीवों को नुकसान पहुंचा रहा है और हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है।

भविष्य की भयावह स्थिति से निपटने के लिए राज्य और केंद्र सरकार को और चुस्त होने की आवश्यकता है। उन्हें जागरूकता के लिए कई स्तरों पर काम करना चाहिए। यदि स्कूली पाठ्यक्रम में बच्चों को शुरू से ही प्लास्टिक के दुर्गुणों के बारे में बताया जाए तो कुछ हद तक प्लास्टिक पर नियंत्रण की कोशिश सफल हो सकती है। स्कूलों के करिकुलर एक्टिविटीज में प्लास्टिक के दुष्परिणाम के बारे में बताया जाना चाहिए। हफ्ते या महीने में प्लास्टिक पर परिचर्चा जागरूकता अभियान और कार्यशाला आयोजित किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर इस संकट को हल्के में न लेते हुए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पंतजलि आयुर्वेद को फटकार

भ्रामक विज्ञापनों की सुनवाई का दायरा बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंतजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगाई। अपनी दवाओं के लिए भ्रामक दावों को लेकर अदालत की अवमानना करने पर सुनवाई चल रही है। अदालत ने आदेश जारी किया कि वह बड़े साइज में माफीनामे का विज्ञापन जारी करें। रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि माफीनामा 67 अखबारों में दिया गया है। इस पर अदालत ने जानना चाहा कि क्या यह पिछले विज्ञापनों के आकार का था।

रोहतगी के इस पर केवल दस लाख रुपये खर्च करने पर कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही, यह भी कहा कि हमें पंतजलि के खिलाफ ऐसी याचिका दायर करने के लिए आईएमए पर एक हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की मांग की गई है जिस पर अदालत ने प्रॉक्सी याचिका होने का संदेह व्यक्त किया। केंद्र को इस पर जागना चाहिए कहते हुए देश की सबसे बड़ी अदालत ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी लताड़ लगाई। पंतजलि आयुर्वेद के उत्पादों और उनके चिकित्सकीय प्रभावों के विज्ञापनों से संबंधित अवमानना कार्रवाई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को अपने समक्ष पेश होने का आदेश दिया था।

यह सुनवाई इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर जारी है। पंतजलि योगपीठ को भी अब सेवा शुल्क का भुगतान करना होगा, जुर्माना और ब्याज के रूप में उसे साढ़े चार करोड़ रुपये भी अदा करने हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार रामदेव की नेटवर्थ चौदह सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की है। पंतजलि का कुल रेवन्यू तीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। निःसंदेह उन्होंने आयुर्वेद और योग को पुनः प्रचारित करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसके अलावा, योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति आमजन में ललक पैदा करने में भी उन्होंने महती भूमिका निभाई है।

मगर इसके लिए भ्रम फैलाने या भ्रामक विज्ञापनों के जरिए जनता को बरगलाने की उन्हें छूट तो नहीं ही मिल सकती। मंत्रालय को भी इसके लिए दोषी माना जाना जरूरी है। बात यहां अकेले पंतजलि की नहीं है, बल्कि कोई भी कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए यदि इस तरह का भ्रम फैलाने की कोशिश करती है तो उस पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, भविष्य में भी इस तरह की हरकत करने पर भारी जुर्माना जड़ा जाना चाहिए। मरीजों और उपभोक्ताओं के अधिकारों को लेकर जिस तरह की लापरवाही अपने यहां जारी है, उसे रोकने के कड़े कदम तत्काल उठाए जाने बेहद जरूरी हैं।

मैं हूं मजदूर

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

इंकलाब जिंदाबाद! हम अपना हक मांगते ना किसी से भीख मांगते। आवाज दो हम एक हैं। दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ! जैसे सशक्त नारे। और मेहनतकशों, एकजुट हो जाओ! सारी सड़कों पर गूँज उठा। वितृष्णा, मैं हूं मजदूर, मजदूर ही रहूंगा और मजदूर ही मरूंगा यह करुणा आज भी झंझोर कर शर्मसार करती है। ग्लानि इस मर्ज का मर्म आखिर क्यों नहीं ढूंढ पाए। समझ से परे है। साधन, संसाधन और संपन्नता में कोई कमी नहीं है। फिर मजदूरों का ये हाल कैसा? क्यों हमारा श्रम रोटी-कपडा-मकान और कमाई-पढ़ाई-दवाई की झंझावात में उलझता है? क्या मजदूर जैसा पैदा होता है वैसा ही मर जाए? हरगिज़ भी नहीं। मजदूरों को उनका वाजिब हक और अधिकार मिलना चाहिए, जिसके वह सच्चे हकदार हैं। अभिलाषा समृद्ध श्रम नीति सुदृढ़ राष्ट्र क्रांति का अनुष्ठान करेगी। कर्मवीरता में राष्ट्र का विकास और जन-जन का कल्याण निहित है। आईए हम सब मिलकर मैं मजदूर हूं, मैं मजबूत हूं के श्रमोमय से राष्ट्रोदय की ओर आगे बढ़े।

कर्मपथ पर श्रम लथपथ: अगर हम बात करें तो मानव शक्ति, दिमागी कार्य, शारीरिक बल और प्रयास करने वाला। काम को मेहनत के द्वारा अपनी श्रम शक्ति को बेचें, उसी का नाम मजदूर है। मजदूर ही देश के विकास की रीड की हड्डी। मजदूर के पसीने से मूल्क लहलहाता है। सही मायनों में कहे तो मजदूर ही भाग्य विधाता है। अलबत्ता भाग्य विधाता ही अपने भाग्य को खोज रहा है? मजदूर आज मजबूर बनकर कर्मपथ पर चलकर श्रम लथपथ हो रहा है। इसके कारण और कारक किसे माने सरकारें, नियत, नीति, नेतृत्व, लालफीताशाही या अफसरशाही को। जो खोजे नहीं मिल रहा है। मिल जाता तो हमारे श्रमवीरों की हालतें ऐसी नहीं होती। बावजूद खोज खबर लेने की फिक्र किसी को नहीं है?

मेहनतकशों, एकजुट हो जाओ: दौर में 1 मई अर्थात मई दिवस, जिसे श्रमिक दिवस या अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस भी कहा जाता है, वह दिन है जो श्रमिकों और श्रमिक आंदोलन द्वारा किए गए संघर्षों और उपलब्धियों को याद करता है। इंकलाब जिंदाबाद! हम अपना हक मांगते ना किसी से भीख मांगते। आवाज दो हम एक हैं। दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ! जैसे सशक्त नारे। और मेहनतकशों, एकजुट हो जाओ! सारी सड़कों पर गूँज उठा। मजदूर दिवस दुनिया भर में श्रमिकों के प्रयासों का सम्मान करने और उन्हें शोषण से बचाने के लिए मनाया जाता है।

कानूनी प्रावधान: दरअसल, अभिरक्षा में कारखाना अधिनियम, 1948, औद्योगिक संघर्ष अधिनियम, 1947, भारतीय श्रम संघ अधिनियम, 1926, भृति-भुगतान अधिनियम, 1936, श्रमजीवी क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923 इत्यादि उद्योग तथा श्रम सम्बन्धी विधान की श्रेणी में आते हैं। हमारे संविधान में मजदूर को सम्मान जनक काम और मजदूरी देने के साथ-साथ कानूनी संरक्षण दिया है। काम का अधिकार और पूरी मजदूरी देने का प्रावधान कर शोषण से बचाने के लिए अलग से ही श्रम विधि का गठन कर शोषण कर्ता को दंड का प्रावधान भी किया गया है। अब कोई भी नियोजित ठेकेदार, कारखाना मालिक मजदूरों का शोषण नहीं कर सकता है। जो उनकी नोटिस बोर्ड तक ही सीमित दिखाई पड़ता है।

श्रममेय जयते! का यशोगान: बाकायदा, अर्धकुशल-अकुशल, कुशल-उच्च कुशल, दैनिक वेतन भोगी- संविदा कर्मी, अस्थाई-स्थाई, आउटसोर्सिंग-ठेकेदारी के फेर में अल्प वेतन और नियमितीकरण की भेंट चढ़ना हमारे मजदूरों की फितरत बन गई है। वह जैसा था, आज वैसा ही है, ये वाजिब नहीं हे। वह सामान्य कार्य-सम्मान वेतन। सम्मान सुरक्षा, सुविधाएं और न्याय की मांग करते-करते थक गया। धरना, प्रर्दशन, आंदोलनों और रैलियों में इनकी ऊर्जा नष्ट हो गई। बजाए कोई सुध ले। एक मजदूर, मजबूत भार होकर भी मजबूर हो गया। कमशकम इन्हें जियो और जीने दो का अधिकार तो मिलना चाहिए, क्योंकि श्रमशक्ति ही देश की शक्ति है। तभी श्रममेय जयते! का यशोगान जन- गण में होगा। अन्यथा श्रम तार-तार हो जाएंगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

आर्थिक उथल-पुथल के समय जगदीश भगवती का होना

एनके सिंह,
वरिष्ठ अर्थशास्त्री व पूर्व सांसद

किसी पिता और उसके बेटे के लिए यह विरल बात है कि दोनों को एक ही शिक्षक ने पढ़ाया हो और इससे भी अधिक विलक्षण बात यह कि उस शिक्षक के विदाई समारोह में पिता-पुत्र, दोनों शामिल हुए हों। मुझे और मेरे बेटे अभिजीत को 15 अप्रैल को कोलंबिया यूनिवर्सिटी में यह असाधारण सौभाग्य मिला। इस सुखद संयोग का महत्व कई गुना इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि वह शिक्षक- जगदीश भगवती कोई साधारण इंसान नहीं हैं।

वी के रामास्वामी के साथ लिखी गई उनकी किताब थ्योरी ऑफ ऑप्टिमम सब्सिडी इस पूर्व-धारणा को खंडित करती है कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यदि विकृतियां हों, तो मुक्त व्यापार का कोई अर्थ नहीं होता और जब घरेलू नीतियों के साथ-साथ विकृतियों से निपटा जाता है, तो मुक्त व्यापार अपना श्रेष्ठ मुकाम पा सकता है। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े मसलों के निपटारे से जुड़ी शिक्षण पद्धतियों पर गहरी छाप छोड़ी। भगवती शुरू से ही एक मेधावी छात्र थे। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) से जुड़ने से पहले 1958 में रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज में उनका पहला शोध-पत्र छपा था, जिसका शीर्षक था- इमिसराइजिंग ग्रोथ : ए जियोमेट्रिक नोट। यह उनके शिक्षक हैरी जॉनसन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर दिए गए व्याख्यान पर तैयार किया गया था। इसमें उन्होंने बताया था कि श्रेष्ठ व्यापार नीति का पालन करने के बावजूद, कोई विकृति किसी बढ़ती अर्थव्यवस्था में लाभ की तुलना में बड़ा नुकसान कर सकती है। इसने एक नए शोध को जन्म दिया, जो तत्कालीन व्यापार सिद्धांत के उलट था। आश्चर्य नहीं, जॉनसन की सलाह पर भगवती एमआईटी गए और चार्ल्स किंडल बर्गर व पॉल सैमुएलसन के अधीन उन्होंने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

बाद में वह भारत लौट आए और सबसे पहले भारतीय सांख्यिकी संस्थान में काम किया। यह डीएसई से जुड़ने से पहले की बात है। वर्ष 1960-62 में डीएसई के छात्र होने के नाते मुझे उनका सान्निध्य प्राप्त हुआ। डीएसई में रहते हुए उनके कुछ बेहद प्रभावशाली लेख प्रकाशित हुए। इसमें टैरिफ यानी सीमा शुल्क से जुड़े गतिरोधों के साथ-साथ व्यापार नीति में ढांचागत सुधारों से जुड़े लेख अहम थे। हम जानते हैं कि कैसे दशकों से टैरिफ दरों के कारण भारत की व्यापार नीति पंगु बनी हुई थी, फिर चाहे ये दरें बहुत कम थीं। इतना ही नहीं, उन दिनों कई प्रतिबंध भी लगे थे, जिससे हमारा उत्पादन ढांचा कुशल नहीं था। बाजार को खोलने में सरकार की भूमिका के प्रति उनकी संतुलित सोच टीएन श्रीवास्तव के साथ भारत के आर्थिक सुधार पर लिखी गई 1993 की रिपोर्ट में भी दिखती है, जिसे तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने पेश किया था। यह वह समय था, जब भारत की आर्थिक नीति में दूरगामी ढांचागत बदलाव किए गए। भगवती का बाद के प्रधानमंत्रियों पर भी खासा प्रभाव रहा। उन्होंने भारत के दूरसंचार क्षेत्र को खोलने के साहसिक फैसले के लिए जहां अटल बिहारी वाजपेयी की सराहना की, तो वहीं वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी वैश्वीकरण के प्रति उनके नजरिये को लेकर सलाह देते रहे हैं।

आज दो वजहों से भगवती की पहले से कहीं अधिक जरूरत है। पहली, इस बात पर जोर डालने के लिए कि विकास का एक अहम इंजन व्यापार बना रहेगा। और दूसरी, जैसे-जैसे दुनिया अधिक संरक्षणवादी होती जा रही है, एक नए नजरिये की दरकार है। आज कोई भी देश अपनी सुरक्षा व संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकता। ऐसे में, हमें एक ऐसी व्यापार नीति चाहिए, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के चालक के रूप में व्यापार की बढ़ती प्रासंगिकता शामिल हो। भारत के बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार हो रहा है। लिहाजा, हमारे लिए ऐसी व्यवस्था बनाना बहुत चुनौतीपूर्ण नहीं होगी। यही वह राह है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने चुना है।

भू-राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल से घिरी दुनिया में जगदीश भगवती की सलाह पहले की तरह ही प्रासंगिक है। हमें दुनिया को यह याद दिलाते रहने के लिए ऐसे लोगों की जरूरत है कि बंद अर्थव्यवस्था दीर्घावधि में विकास की संभावनाओं को कुंद कर देती है। विकास के शक्तिशाली इंजन के रूप में बहुपक्षवाद व व्यापार के महत्व पर हमें भरोसा बनाए रखना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के नियमों का जिले में शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो : अपर कलेक्टर

बालोद। बालोद जिले के सभी नगरी निकायों में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी के नियमों का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में बैठक ली। अपर कलेक्टर कौशिक ने बैठक में उपस्थित जिले के सभी नगरी निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से जो निर्देश प्राप्त हुए हैं उनका शत प्रतिशत पालन नगरीय निकायों में सुनिश्चित करना है। उन्होंने नगरीय निकायों में डोर-टू-डोर कचरा कलेकशन, एसएलआरएम सेंटर के संचालन, अपशिष्ट प्रबंधन आदि की स्थिति की नगरीय निकायवार जानकारी ली। उन्होंने नगर में कचरा संग्रहण और उसके निराकरण हेतु जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। अपर कलेक्टर ने सभी संबंधित एसडीएम को अपने क्षेत्र के नगरीय निकायों में उक्त गतिविधियों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का अवलोकन करने तथा उसका रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनजीटी के नियमों के बेहतर ढंग से पालन हेतु नगरीय निकायों में निरीक्षण कर सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान करें। बैठक में एसडीएम बालोद श्रीमती शीतल बंसल, एसडीएम गुंडरदेही श्री सुरेश साहू, एसडीएम गुरुर श्रीमती पूजा बंसल, एसडीएम डौण्डी श्री रामकुमार सोनकर सहित सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित थे।

मूलभूत प्रशासनिक सुविधाओं को करें मजबूत, लोगों को सभी सुविधाओं का मिले लाभ - कलेक्टर

गरियाबंद। जिले में लोकसभा निर्वाचन के मतदान होने के पश्चात कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने समय-सीमा की समीक्षा बैठक में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन कार्य में लगे हुए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सफ्लतापूर्वक मतदान कार्य सम्पन्न कराने पर बधाई देते हुए कहा कि सभी लोगों के सहयोग से लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के प्रतिशत में विगत चुनाव के अपेक्षा वृद्धि हुई है। उन्होंने समीक्षा बैठक में जिला अधिकारियों को अब वे अपने-अपने प्रशासनिक कार्यो, जनहित एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यो में गति लाये। कलेक्टर ने अधिकारी - कर्मचारी प्रशासन के कार्यो को गंभीरतापूर्वक करें और विभागीय कार्यो में प्रगति लाये। कलेक्टर अग्रवाल ने सभी अधिकारियों को कहा कि मूलभूत प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रियता और गंभीरता से काम किया जाये। साथ ही प्रगतिरत निर्माण और विकास कार्यो में भी तेजी लाये। उन्होंने कहा कि जिले के आश्रम-छात्रावास के निरीक्षण के लिए जिन-जिन अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है, वे प्रत्येक माह ऐसे आश्रम छात्रावास का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। ताकि कहीं कुछ समस्या है तो उसका निराकरण समय पर किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा प्रदेश के राशन दुकानों में अप्रैल एवं मई माह का पात्रतानुसार चावल आबंटन किया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं सार्वभौम पीडीएस के अंतर्गत गरियाबंद जिले के सभी राशन कार्डधारियों को अप्रैल एवं मई दो माह का एकुमश्त राशन मिल रहा है। वर्तमान में 98 प्रतिशत राशन का भण्डारण कर वितरण का कार्य किया जा है। जिले के राशनकार्डधारी अपने संबंधित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से माह अप्रैल एवं मई 2024 का चावल एक साथ प्राप्त कर रहे हैं।

कैट ने आगामी लोकसभा चुनाव में शत् प्रतिशत मतदान करने के लिए व्यापारियों से आग्रह किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप ने कैट एवं युवा टीम के 100 से अधिक पदाधिकारियों को लोकसभा चुनाव में शत् प्रतिशत मतदान हेतु शपथ दिलाई देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट प्रदेश कार्यालय में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारियों की बैठक हुई । बैठक की अध्यक्षता कैट राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी की। बैठक में कैट ने आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों से आग्रह किया गया।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि बैठक में कैट ने आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों से आग्रह किया गया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के दो चरणों का चुनाव हो चुका है। तीसरे चरण का चुनाव दिनांक 7 मई 2024 दिन मंगलवार को होने जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में व्यापारियों की भूमिका सुनिश्चित करने तथा 100 प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल लिया हैं उन्होने आगे कहा कि जैसे कि हम व्यापारियों ने विधानसभा चुनाव में मतदान हेतु बढ चढ कर अपना योगदान किया था। ठीक उसी प्रकार इस बार लोकसभा चुनाव 2024 में भी अपना योगदान करना हैं। कैट प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों से आग्रह करती है। कि पहले मतदान फिर दुकान, आप सभी से निवेदन है कि आप सबसे पहले अपना वोट, फिर अपने परिवार का वोट, अपने कर्मचारियों का वोट, उनके परिवार का वोट, अपने पडोसियों का वोट एवं अपने दुकान के आस-पास के लोगो का वोट करायेगे उसके बाद ही अपने व्यापार को स्टार्ट करेगें। हम प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों ने इस लोकसभा चुनाव में शत: प्रतिशत मतदान का करने का संकल्प लेते है।

रायपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप जी ने कहा कि पूरे देश में यह मैसेज जाना चाहिये कि छत्तीसगढ़ में इस बार अधिक मतदान हुआ है। उन्होंने व्यापारिक एसोसियेशन के प्रतिनिधियों से कहा कि आप सभी अपना मतदान अवश्य करें एवं शत-प्रतिशत मतदान करवायें। ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में मतदान कम होता है। सबका उद्देश्य यही हो कि सबसे ज्यादा मतदान हो परंतु आपका कोई भी उद्देश्य किसी दल विशेष की तरफ झुका हुआ नहीं होना चाहिये। उन्होनें आगे कहा कि मतदान के लिए अधिक से अधिक लोग मतदान केंद्रों पर पहुंचें। मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं का ख्याल रखा गया है। मतदाता जागरूकता और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में इस बार मतदाताओं के लिए 2 घण्टे का समय बढ़ा दिया गया है।

उपरोक्त बैठक में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे अमर पारवानी, मंगेलाल मालू, अमर गिदवानी, जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन विक्रम सिंहदेव, सुरिन्द्रर सिंह, भरत जैन, अजय अग्रवाल, अवनीत सिंह, अमर धिंगानी, विजय पटेल, विजय शर्मा, राकेश ओचवानी, नरेश गंगवानी, सुनील धुप्पड, महेश खिलोसिया, जयराम कुकरेजा, जितेन्द्र गोलछा, विजय जैन, आसिफ वैद, महेन्द्र कुमार बागरोडिया, सतीश श्रीवास्तव, मोहन वर्ल्यानी, नागेन्द्र तिवारी, दीपक विधानी, विक्रांत राठौर, परविन्दर सिंह, रमेश खोडियार, हरसुख पटेल, सुरेश वासवानी, सुशील कुमार लालवानी, राजेश बिहानी, अमित गुप्ता, मनीष कुमार सोनी, शैलेन्द्र शुक्ला, भुनेश्वर साहू, रतनदीप सिंह, प्रकाश जोशी, सोपान अग्रवाल, मुकेश झा, रमेश पटेल, राजेश साहू, प्रकाश माखीजा, समीर वेन्सायानी, सहित आदि लोग उपस्थित थे।

जेईई एडवांस परीक्षा के लिए शासकीय विद्यालयों के 31 छात्र क्वालीफाइड

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) द्वितीय सत्र में जिले के 31 छात्र-छात्राओं ने जेईई एडवांस परीक्षा हेतु क्वालीफाई किया है। गत सत्र में जेईई के पर्सेंटाईल कम होने पर इन छात्रों की संख्या 75 के करीब थी, किन्तु इस सत्र में जनरल 93.23 पर्सेंटाईल, ओबीसी 79.676 पर्सेंटाईल, एससी 60.092 एवं एसटी हेतु 46.698 पर्सेंटाईल रहा है। इन 31 विद्यार्थी में से एक ओबीसी तथा 30 एसटी संवर्ग से हैं, जिनमें से 14 बालिका एवं 17 बालक हैं।

इनमें 03 प्रयास से, 03 एकलव्य से और शेष 25 विद्यार्थी शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। जिले के विद्यार्थियों द्वारा जेईई द्वितीय सेशन में शानदार प्रदर्शन पर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने इन बच्चों एवं उनके शिक्षकों व पालकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिला षिक्षा अधिकारी अशोक पटेल ने बताया कि इसमें से अधिकतर छात्र गरीब, मजदूर एवं किसान परिवार से हैं। इनमें कोड़ेकुर्से की आदिवासी छात्रा कंचन दुग्गा 80.550 अंक, अमित कुमार ने 70.41 एवं कु. रिया ने 61.25 पर्सेंटाइल प्राप्त किया है। इसी तरह शा उमावि देवगांव से परमेष्वर मरकाम 67.315 अंक, शास उमावि पुरी से कु. लिलेष्वरी मंडावी 66.30 पर्सेंटाईल, कुरालठेमली से युगल किषोर 64.247, बागोडार से कु. विधि कुमेटी 62.80, भानुप्रतापपुर से कु. मुस्कान बघेल को 62.58 पर्सेंटाईल प्राप्त हुआ है। दुर्गूकोंदल विकासखंड के कोण्डे से दो छात्रों क्रमशः कु. यमुना कुमेटी और कु. पुष्पांजली कांगे तथा आमाकड़ा से रोहितकुमार और पुष्पिता ने भी क्वालीफाई किया है। सीईओ जिला पंचायत सुमीत अग्रवाल और जिला षिक्षा अधिकारी ने भी उक्त परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

पढ़ाई में सफलता के लिए मन की एकाग्रता जरुरीः ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प प्रेरणा में मन का मालिक बनें विषय पर ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने बच्चों को उपयोगी टिप्स दिए। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने कहा कि मन का मालिक बनने और पढ़ाई में सफ्लता पाने के लिए एकाग्रता बहुत जरूरी है।

हम जिस समय और जो कार्य करते हैं उस समय केवल उसी कार्य के विषय में हमारा ध्यान केन्द्रित होना चाहिए। मन को नियंत्रित करने के लिए अच्छा तरीका यह है कि मन को अपना दोस्त बना लें। अपने मन से बातें करें उसे खाली न रखें। राजयोग मेडिटेशन से एकाग्रता और स्मरण शक्ति दोनों बढ़ती है। अपने मन को एकाग्र करने के लिए राजयोग सीखना जरूरी है। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने एकाग्रता के लाभ गिनाते हुए कहा कि इससे हमारी कार्यक्षमता का विकास होता है। कार्य में परिपूर्णता आती है। निर्णय क्षमता का विकास होता है। स्मरण शक्ति बढ़ती है और मन के संकल्प शान्त होते हैं। उन्होंने एकाग्रता की शक्ति बढ़ाने के उपायों की चर्चा करते हुए कहा कि हमें वही बातें याद रहती है जिसमें हमारी रूचि होती है। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी पढ़ाई के प्रति रूचि पैदा करना जरूरी है। कभी भी पढ़ाई को बोझ न समझें। उन्होंने बतलाया कि राजयोग माना परमात्मा से जुड़कर उनसे शक्तियाँप्राप्त करना। राजयोग में स्वयं की पहचान जरूरी है।

आत्मा और शरीर का सम्बन्ध मोबाईल और सिम की तरह हैं। हमारा शरीर मोबाईल है तो आत्मा उसकी सिम है। मन बुद्धि और संस्कार आत्मा की तीन शक्तियाँ हैं। मन का कार्य है विचार करना। बुद्धि का कार्य है निर्णय करना और बार-बार किए गए कर्मों से हमारे संस्कार बनते हैं।

कलेक्टर ने लू से बचने आवश्यक सावधानी बरतने आम नागरिकों से की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। ग्रीष्म ऋतु में तापमान में वृद्धि के चलते भीषण गर्मी पड़ने तथा नागरिकों को लू लगने की संभावना है, जिससे आम जन जीवन व स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जिसे देखते हुए कलेक्टर नम्रता गांधी ने लू से बचने आवश्यक सावधानी बरतने की अपील आम नागरिकों से की है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है।

लू के लक्षण - सिर में भारीपन और दर्द, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख न लगना व बेहोश होना आदि लक्षण शामिल है।

लू से बचाव के उपाय- इसके लिए बहुत अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाये। धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध ले। पानी अधिक मात्रा में पिये। अधिक समय तक धूप में न रहे। गर्मी के दौरान मुलायम सूती कपड़े पहने ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे। अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ. आर. एस. घोल पिये। चक्कर, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें। शीतल पेय जल पिये, फ्ल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से निःशुल्क परामर्श ले। उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह ले।

लू लगने पर किया जाने वाला प्रारंभिक उपचार - बुखार से पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठंडे पानी की पट्टी लगायें, कच्चे आम का पना, जलजीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लेटायें, शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को शीघ्र ही किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जायें, आंगनबाड़ी मितानिन तथा ए.एन.एम. से ओ.आर.एस. की पैकेट के लिए संपर्क करें।

क्या करें - भीषण गर्मी में लू से बचाव हेतु पर्याप्त पानी पीये भले ही प्यास न लगे, मिर्गी या हृदय, गुर्दे या लीवर से संभावित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो या जिनको द्रव्य प्रतिधारण की समस्या है, उनको तरल सेवन बढ़ाने से पहले डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहने। अपने आप को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस घोल, घर के बने पेय जैसे- लस्सी, नींबू का पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

क्या न करें- धूप में बाहर जाने से बचे, नंगे पाँव बाहर न जाए, दोपहर के समय खाना पकाने से बचे, शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय से बचे, ये शरीर को निर्जलित करते हैं। अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचे।

जिले की बेहतरी के लिए सभी विभाग उत्कृष्ट कार्य करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत सफलतापूर्वक मतदान संपन्न होने पर सभी को हार्दिक बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि मतदान कार्य के दौरान सभी विभागों ने अपना कार्य अच्छी तरह से किया। आगे भी त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निर्वाचन के लिए बेहतर कार्य करना है।

कलेक्टर ने कहा कि जिले की बेहतरी के लिए सभी विभाग अपना उत्कृष्ट कार्य करें, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत है। सहकारिता विभाग किसानों की सुविधाओं के दृष्टिगत एटीएम सुविधा बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए पेयजल की समस्या ग्रामों में नहीं होना चाहिए। इसके लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। सिंचाई विभाग किसानों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही खेती का रकबा बढ़ाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्यों के बावजूद भी सभी जनपद सीईओ ने भी निरंतर कार्य किया है। जिले में सबसे ज्यादा मनरेगा श्रमिकों ने कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग जनहित में उत्कृष्ट कार्य करने की दिशा में कार्य करें।

कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व शिविर लगाने के निर्देश दिए। जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र बनाने के साथ ही राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने कहा कि कार्य परिणाममूलक होना चाहिए।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि डीएमएफमद से जनहित के कार्यों के लिए सभी विभाग प्रस्ताव भेजें। राशन की आपूर्ति, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं, पेंशन जैसे महत्वपूर्ण कार्य अबाधित रूप से चलते रहें। उन्होंने कहा कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम आने वाले हैं। इसे ध्यान में रखते हुए अभिभावकों का यह दायित्व है कि वे अपने बच्चों को तनाव से दूर रखें और उनका ध्यान रखें। किसी भी बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से नहीं करें। अभिभावक अपने बच्चों के प्रति सजग रहें और उनके लिए सकारात्मक माहौल बनाएं। उन्होंने श्रम विभाग के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। आरोहण बीपीओ सेंटर टेड़ेसरा की गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में किसान धान की खेती करते हैं, जिसके लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है। इसके कारण ट्रांसफार्मर पर लोड पड़ता है और लो-वोल्टेज की समस्या उत्पन्न होती है।

उन्होंने उप संचालक कृषि से कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए कम पानी वाले फ्सल लेने के लिए किसानों को प्रेरित करें। इसके साथ ही उद्यानिकी विभाग अंतर्गत ऐसी फ्सलें, जिनमें कम पानी की जरूरत होती है, किसानों को बताएं। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता, एसडीएम राजनांदगांव अरूण विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कार्य स्थल में कर्मचारी मिले नदारद, ठेकेदार पर जुर्माना

रायपुर। रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 5 क्षेत्र के नाला गैंग 25 कर्मचारियों के बदले सिर्फ 10 कर्मचारी कार्य करते पाए गए। जिस पर ठेकेदार पर 25 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। भुगतान में इसकी कटौती की जाएगी। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर बरसात से पूर्व सभी 10 जोनों में नाले - नालियों की अभियान छेड़कर सफाई की जा रही है। गत दिनों जोन क्रमांक 5 के नाला गैंग में लगे कर्मचारियों की मुख्यालय में पदस्थ जेडएचओ ने गिनती की तो वहां मात्र 12 कर्मचारी ही कार्यरत मिले थे। जबकि वहां 25 कर्मियों को होना था। इस पर ठेकेदार को चेतावनी देकर सभी कर्मचारियों को लाकर काम कराने के निर्देश दिए गए थे। निगम की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणिग्रही सफाई कार्य का निरीक्षण करने पहुंची थी। कर्मचारी कम दिखे तो उन्होंने मौके पर गिनती करवाई तो वहां 10 कर्मचारी ही मौजूद मिले। तब ठेकेदार पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसकी कटौती ठेकेदार के बिल से की जाएगी। साथ ही ठेकेदार को सभी कर्मचारी लाने की चेतावनी भी दी गई।

ग्रीष्मकालीन कक्षाएं आज से

रायपुर (ए.)। अग्रसेन महाविद्यालय में कल 01 मई से विभिन्न विषयों और विधाओं की ग्रीष्मकालीन कक्षाएं शुरू की जाएँगी। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी इन कक्षाओं में युवाओं और अन्य आयु वर्ग के प्रतिभागियों का पंजीयन अभी से शुरू हो गया है। ये सभी कक्षाएं 15 जून तक चलेंगी। इनमें योग प्रशिक्षण, स्पोकन इंग्लिश, वीडियो एडिटिंग, जुम्बा, आर्ट एंड क्राफ्ट, मेहंदी, प्रतियोगी परीक्षा, टैली एंड जीएसटी, और बेसिक कंप्यूटर की कक्षाएं शामिल हैं। महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. अभिनव अग्रवाल स्पोकन इंग्लिश का प्रशिक्षण देंगे, वहीं प्रो हेमंत सहगल वीडियो एडिटिंग की कक्षाएं लेंगे। प्रो अभिषेक अग्रवाल प्रतिभागियों को टैली और जीएसटी की उपयोगिता के बारे में बताएँगे। डॉ मंजू सिंह ठाकुर योग का प्रशिक्षण देंगी। इनके अलावा प्रो ऋतुलता तारक आर्ट एंड क्राफ्ट, प्रो वैभव इंगले बेसिक कंप्यूटर, प्रो रिदवाना हसन मेहंदी तथा प्रो रुखमणि अग्रवाल जुम्बा का प्रशिक्षण देंगी।

समर कैंप 1 से 31 मई तक

रायपुर (ए.)। सेंट पॉल्स कैथेड्रल में 2 से 12 मई तक सुबह 7 से 11 बजे तक वैकेशन बाइबल स्कूल लगेगा। मुख्य ध्येय है - अंडर हिस विंग्स। सेंट पॉल्स कैथेड्रल वीबीएस के लिए. पालक पास्ट्रेट कमेटी व संडे स्कूल शिक्षकों इसके लिए संडे स्कूल शिक्षिका नेहा पिल्लई व पल्लवी मिंज से पालक संपर्क कर सकते हैं। इसी तरह सालेम इंग्लिश स्कूल में भी 1 से 31 मई तक समर कैंप लगेगा। वाइस प्रिंसिपल रूपिका लॉरेंस ने बताया कि कैंप में बच्चों को संगीत, कला और खेल की विशेष रूप से ट्रेनिंग दी जाएगी। समर कैंप का आकर्षण होगा फायरलैस कुकिंग। इसके अलावा क्रिकेट, हॉकी, फुटबाल, चैस, वॉलीबॉल, प्यानों, गिटार, सिगिंग, इंग्लिश स्पीकिंग की भी क्लास लगेगी। तेलीबांधा संडे स्कूल के वैकेशन बाइब स्कूल का समापन हो गया। समापन समारोह में बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वीबीएस में बच्चों ने पद बोलना, समूह तथा एकल गीत, नृत्य आदि की शिक्षा ली थी उसे प्रस्तुत किया गया। बच्चों को वीबीएस में में बाइबल की शिक्षा के साथ साथ खेलकूद, फैंसी ड्रेस, क्राफ्ट्स इत्यादि में पारंगत कराया गया। बच्चो कों पुरस्कार वितरण भी किया गया।

कोचों के पास सुविधाजनक रूप से स्थित काउंटरों पर है उपलब्ध

रायपुर रेल मंडल गर्मी में सस्ती कीमत पर उपलब्ध करवा रही है स्वच्छ भोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । रायपुर रेल मंडल में गर्मी के मौसम में यात्रा करने वाले यात्रियों को किफायती भोजन के लिए स्टेशन पर भारतीय रेलवे, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन आईआरसीटीसी के साथ मिलकर यात्रियों विशेषकर अनारक्षित कोचों में यात्रियों की सेवा के लिए सस्ती कीमत पर स्वच्छ भोजन उपलब्ध करवा रही है।

गर्मी के छुट्टियों के मौसम में यात्री यातायात में वृद्धि के समय रेलवे अनारक्षित डिब्बों के यात्रियों के लिए सुविधाजनक और बजट-अनुकूल भोजन विकल्प व्यवस्था की है। अनारक्षित डिब्बों सामान्य श्रेणी कोच में यात्रा करने वालों को भोजन, नाश्ते की आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ये भोजन प्लेटफार्म पर सामान्य द्वितीय श्रेणी जीएस कोच के पास सुविधाजनक रूप से स्थित काउंटरों पर उपलब्ध हो रहा है। आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए यह भोजन और नाश्ता-भोजन कॉम्बो प्लेटफार्मों पर सामान्य द्वितीय श्रेणी जीएस कोचों के पास सुविधाजनक रूप से स्थित काउंटरों पर उपलब्ध है। यात्री सीधे इन काउंटरों से अपना भोजन खरीद सकते हैं । किफायती भोजन में यात्रियों को 20 रुपए में भोजन (7 पूड़ी 175 ग्राम, सुखी आलू की सब्जी 150 ग्राम, एवं आचार 12 ग्राम) एवं 50 रुपए में भोजन-नाश्ता कॉम्बो मील, 200 एमएल पानी 3 रुपए में व्यवस्था की है। ये काउंटर रायपुर मंडल में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन के द्वारा रायपुर एवं दुर्ग स्टेशनो पर संचालित किए जा रहे हैं।

नई प्रविधियों से शोध की प्रस्तुति प्रभावी एवं व्यापक होने लगी है : सिंह

अग्रसेन कॉलेज व महंत लक्ष्मीनारायण दास कॉलेज द्वारा आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन

रायपुर (ए.)। अग्रसेन महाविद्यालय (पुरानी बस्ती रायपुर) एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में न्यू मेथोडोलॉजी इन रिसर्च प्रजेंटेशन विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला मंगलवार को संपन्न हुई। समापन समारोह में पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. बंशगोपाल सिंह वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अरुणा पल्टा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। शिक्षा प्रचारक समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में प्रबंध संस्थान के अध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ एके श्रीवास्तव तथा महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं अग्रसेन महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वीके अग्रवाल, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे।

इस कार्यशाला को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताते हुए प्रो. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शोध अध्ययन की तकनीक में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। उन्होंने कहा कि सूचना तकनीक (आई-टी) और कृतिम बुद्धि (ए-आई) के उपयोग से श्रेष्ठ स्तर का शोध पत्र लिखने में निश्चित ही मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि शोध प्रबंध (थीसिस) एवं शोध पत्र (रिसर्च पेपर) की प्रस्तुति में अंतर होता है। क्योंकि दोनों में अंतर-वस्तु का विस्तार अलग-अलग विधि से किया जाता है। डॉ. सिंह ने कहा कि रिपोर्ट की प्रस्तुति में भी आधुनिक तकनीक सहायक हो सकती है। लेकिन सबसे पहले रिपोर्ट की विषय-वस्तु का स्तरीय होना आवश्यक है। प्रस्तुति का महत्त्व बाहय साज-सज्जा के समान होता है। इसके बावजूद शोध को पर्याप्त स्थान दिलाने में नई तकनीक के महत्त्व से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

इस अवसर पर हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने कहा कि समय के साथ शोध की प्रस्तुति के लिए नई प्रविधियों और तकनीकों की उपयोगिता बहुत अधिक हो गई है। लेकिन प्रस्तुति में बहुत ज्यादा तकनीक पर ध्यान देने से कई बार शोध का विषय गौण हो सकता है। उन्होंने कहा कि आजकल प्रायः शोध की प्रस्तुति में नवाचार के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल होने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तुति की तकनीक चाहे जो भी हो, लेकिन इसमें नवीनता और प्रयोग का समावेश अवश्य होना चाहिए। साथ ही हमेशा सीखते रहने का नजरिया रखने से भी प्रस्तुति बेहतर होती है। अपने संबोधन में पंडित रविशंकर शुक्ल में प्रबंध अध्ययनशाला के अध्यक्ष डॉ एके श्रीवास्तव ने कहा कि आजकल शोध की मौलिकता को परखने के लिए अनेक सॉफ्टवेयर इस्तेमाल किये जा रहे हैं। लेकिन केवल सॉफ्टवेयर और तकनीक से प्रभाव पैदा करने का प्रयास उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि शोध की प्रस्तुति में आकर्षण, रोचकता, नवीनता, प्रभाव और संतुष्टि का मिश्रण होना चाहिए।

आभार प्रदर्शन करते हुए महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी ने कहा कि वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपना स्तर बढाने की जरुरत है। इसके लिए शोध कार्य को प्रोत्साहित करना पहला कदम होगा। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि शोध के विषय का चयन भी अपने आसपास के परिवेश से होना चाहिए, ताकि उसकी प्रासंगिकता स्थापित हो सके। इस अवसर पर महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ वी.के. अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षा में शोध अध्ययन का विशेष महत्त्व रहा है। वर्तमान समय में यह और भी बढ़ गया है। महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के सचिव एवं वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ अमित अग्रवाल ने इस कार्यशाला को ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि इस आयोजन में आमंत्रित विभिन्न विशेषज्ञों ने जो मार्गदर्शन दिया है, उससे शोधार्थियों को निश्चित ही भविष्य में श्रेष्ठ कार्य करने की दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर अग्रसेन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ युलेन्द्र कुमार राजपूत ने कहा कि उच्च शिक्षा में कार्य करने वालों के लिए शोध एक जरुरी प्रक्रिया है। इसलिए शोध कार्य के प्रति उत्सुकता बनाए रखना सभी प्राध्यापकों के लिए अनिवार्य आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों में समय के साथ शोध की संभावनाएं बढ़ती जा रही है। डॉ श्रुति तिवारी ने इस पांच दिवसीय कार्यशाला पर आधारित समग्र रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए। कार्यक्रम का संचालन महंत कॉलेज की प्राध्यापिका प्रो अपूर्वा शर्मा एवं डॉ. जया चंद्रा ने किया। समापन सत्र में दोनों महाविद्यालयों के समस्त प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

आईपीएस जीपी सिंह होंगे बहाल, कैट ने दिया आदेश

■ राजद्रोह-भ्रष्टाचार मामले में कर दिया गया था रिटायर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह को बड़ी राहत मिली है। राजद्रोह व भ्रष्टाचार के मामले में जुलाई 2023 में राज्य सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी थी। अब उन्हें केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) से बड़ी राहत मिल गई है। कैट ने चार सप्ताह में जीपी सिंह से जुड़े सभी मामलों को निराकृत कर उन्हें फिर से नौकरी पर बहाल किए जाने का आदेश दिया है।

बता दें जीपी सिंह पर 2022 में छत्तीसगढ़ सरकार ने राजद्रोह का केस दर्ज किया था। इस मामले में उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। हालांकि बाद में हाईकोर्ट से जमानत ले ली थी। एसीबी ने जुलाई 2021 को सिंह के पुलिस लाइन स्थित सरकारी बंगले के अलावा राजनांदगांव और ओडिशा के 15 अन्य स्थानों पर छापा मारा था। इसमें 10 करोड़ की अघोषित संपत्ति के साथ कई दस्तावेज बरामद किए गए थे। इसके बाद जीपी सिंह के खिलाफ एसीबी ने अपराध दर्ज किया।

अपराध दर्ज होने के बाद राज्य सरकार ने 5 जुलाई को उन्हें सस्पेंड कर दिया। इसके दो दिन बाद उनके खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज कराया था। जीपी सिंह पर आरोप था कि वे सरकार गिराने की साजिश रच रहे थे। इस मामले की जांच के बाद 11 जनवरी 2022 को जीपी सिंह को नोएडा से गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उन्हें मई 2022 में जमानत मिली गई। सर्विस रिव्यू कमेटी की सिफारिश पर 21 जुलाई 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने IPS जीपी सिंह को भारत सरकार ने कंपलसरी रिटायर कर दिया था।

जोया बनीं भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट डॉक्टर

रायपुर (ए.)। दुर्ग जिले की रहने वाली जोया मिर्जा ने इतिहास रच दिया है। जोया मिर्जा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट डॉक्टर बन गई हैं। जोया इस पद पर पहुंचने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला हैं। जोया मिर्जा ने वर्ष 2023-24 में आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे से एमबीबीएस में डिग्री हासिल की है। अच्छे अंकों के साथ एमबीबीएस पूरा करने के बाद उन्हें भारतीय सेना में यह पद प्राप्त हुआ है। जोया ने रविवार को जम्मू में अपनी पहली पोस्टिंग ज्वाइन कर ली हैं। केपीएस भिलाई से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वह नीट की तैयारी करने लगीं। कोटा में कोचिंग की और लगातार तैयारी में जुटी रहीं और पुणे के आर्म्स फोर्स्ड मेडिकल कॉलेज से डिग्री पूरी की।

रायपुर में दो मूक-बधिर बने पति-पत्नी

रायपुर। आलोक जायसवाल और रंजुला पटेल दोनों ना तो बोल सकते हैं और ना ही सुन सकते हैं, दोनों शनिवार को विवाह के बंधन में बंधे। रायपुर की कोपलवाणी संस्था में पले-बढ़े आलोक और रंजुला की शादी समता कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में कराई गई।

शक्तिपीठ के परिव्राजक नीलम सिंह सिन्हा ने मंत्रोच्चार के साथ सनातन संस्कृति में होने वाले विवाह के सारे रीति-रिवाज संपन्न कराए। खास बात ये है कि जोड़े को शादी की सारी रस्में साइन लैंग्वेज के जरिए समझाई गईं। आलोक और अंजुला मूक-बधिर हैं, लिहाजा दोनों को शादी की रस्में साइन लैंग्वेज से समझाई गईं। संस्था की इंटरप्रेटर अंजलि देशपांडे इस दौरान पुरोहित के मंत्राच्चारणों और विधि को इशारों से समझाती गईं। वरमाला से लेकर सात फेरे और सातों वचन जोड़े को सांकेतिक भाषा में समझाए गए, इस तरह से विवाह संपन्न हुआ।

इस जोड़े की शादी में कई संस्थाओं ने भी सहयोग किया। कोपलवाणी की संस्थापिका पद्मा शर्मा ने बताया कि साज-सजावट के साथ खाने की व्यवस्था का जिम्मा संस्थाओं ने उठाया। इसस पहले भी संस्था ने एक मूक-बधिर जोड़े की शादी कराई है।

इन दोनों को भी कोपलवाणी ने ही पाला। रंजुला कोपलवाणी में भर्ती होने वाली पहली लड़की है। तब उसकी उम्र 5 या 6 साल थी। गुंडरदेही निवासी रंजुला की मां का बचपन में ही निधन हो गया था। पिता उसे छोड़कर कहीं और चले गए। निजी नौकरी कर रहे भाई ने रंजुला को कोपलवाणी में भर्ती कराया। यहीं से उसने पहली कक्षा से लेकर ग्रेजुएशन किया और अब नौकरी कर रही है। वहीं, कसडोल निवासी आलोक के पिता के निधन के बाद मां चाय का ठेला लगाती थीं। आर्थिक तंगी की वजह से मां ने आलोक को 5 साल की उम्र में संस्था में भर्ती कराया। पढ़ाई पूरी करने के बाद आलोक अब निजी कंपनी में काम कर रहा है। शादी के बाद दोनों अब गुढ़ियारी में किराए के घर में रहेंगे।

मुर्रा एनीकेट के खुलने से जलस्तर 10 इंच बढ़ा

अब रायपुर में नहीं होगी पेयजल की संकट

रायपुर (ए.)। मुर्रा एनीकट को शुक्रवार को खोले जाने से फिल्टर प्लांट के नजदीक एनीकेट में पानी 10 इंच बढ़ गया है। शनिवार सुबह तरीघाट एनीकेट को भी खोल दिया गया। जिसका पानी शाम तक पहुंच जाएगा। सिंचाई विभाग ने मरम्मत के नाम नहर से पानी भेजना अचानक बन्द कर दिया था। जिससे दो दिन पहले खारुन नदी का जलस्तर घटने लगा था। इससे शहर में पानी सप्लाई का खतरा बन गया था।

इस पर रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने उच्च स्तर पर चर्चा कर धमतरी के चटोड नहर की साखा नहर को खुलवाया गया। खारुन नदी में ही काठाडीह और मुर्रा एनीकेट को कल खुलवा दिया गया। मुर्रा एनीकेट में पानी संघरण की बड़ी क्षमता है। इस एनीकेट के खुल जाने से फिल्टर प्लांट वाले एनीकेट का जलस्तर आज सुबह 10 इंच तक बढ़ गया। सिंचाई विभाग ने सूचना दी कि तरीघाट के एनीकेट को आज सुबह 8 बजे खोल दिया गया। जिससे आज शाम रात तक पर्याप्त मात्रा में मिलने लगेगा। वहीं कल तक चटोड नहर की शाखा नहर से भी खारुन नदी में पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने लगेगा। फिल्टर प्लांट के कार्यपालन अभियंता नरसिंह फरेंद्र ने बताया कि वस्तु स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। मुर्रा एनीकेट के खोले जाने से राहत मिली है। एक दो दिनों में शहर के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का संग्रह हो जाएगा।

शैतानी रस्मों में डांस सीक्वेंस के जरिए पूरा किया अपना पैशन: नकियाह हाजी

शो शैतानी रस्में में निक्की की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस नकियाह हाजी ने अपकमिंग एपिसोड के लिए स्पेशल डांस सीक्वेंस की कोरियोग्राफी में हिस्सा लिया।

आने वाले एपिसोड में नकियाह, सुरभि शुक्ला द्वारा अभिनीत ऑन-स्क्रीन ननद और ऋचा सोनी द्वारा अभिनीत सास, श्रीजिता डे द्वारा अभिनीत छाया दयान का मुकाबला करने के लिए एक मिशन पर निकलती हैं।

सीक्वेंस पर बात करते हुए, नकियाह ने कहा, डांस मेरा हमेशा से सबसे बड़ा पैशन रहा है। मैं खासतौर से इस स्पेशल सीक्वेंस की शूटिंग को लेकर रोमांचित हूं, जहां निक्की के किरदार में, मैं छाया दयान का ध्यान भटकाने के लिए डांस करती हूं। इस बीच, मेरे किरदार की सास ऋचा सोनी और ननद सुरभि शुक्ला, छाया दयान के छिपे हुए अतीत को उजागर करने और उसे हराने के लिए जुट जाती हैं।

उन्होंन कहा, मेरे बिजी शूटिंग शेड्यूल और डांस के प्रति अपने प्यार के साथ टाइम मैनेजमेंट करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि, अपकमिंग एपिसोड का लाभ उठाते हुए, मैंने न केवल अपने पैशन को पूरा किया बल्कि डांस को तैयार करने के लिए कोरियोग्राफर के साथ अपने इनपुट शेयर करने का भी मौका मिला। नकियाह इस सीक्वेंस को लेकर रोमांचित हैं, क्योंकि इससे उन्हें अपने पैशन के साथ फिर से जुड़ने का मौका मिला।

उन्होंने कहा, यह एक अविश्वसनीय रूप से आनंददायक अनुभव था, और रिहर्सल से लेकर कैमरे के सामने परफॉर्म करने तक मुझे वास्तव में खुशी महसूस हुई। मुझे उम्मीद है कि मुझे डांस करने के अधिक अवसर मिलेंगे और मुझे विश्वास है कि दर्शक मेरे एक्सप्रेशन के जरिए मेरी खुशी को महसूस करेंगे। मुझे यकीन है कि हमारे दर्शक इसके हर पल का आनंद लेंगे। शैतानी रस्में स्टार भारत पर सोमवार से शनिवार रात 10 बजे प्रसारित होता है।

प्रियंका और परिणीति चोपड़ा से रहती है अनबन?

मन्नारा ने बताया क्यों नहीं लेती हैं बहनों का नाम

बिग बॉस सीजन 17 में मन्नारा चोपड़ा फिनाले राउंड तक पहुंचने में कामयाब रही थीं और मुनव्वर से बस एक कदम पीछे रहते हुए फर्स्ट रनर अप बनीं। लेकिन शो में उन्हें इस बात के लिए खूब ट्रोल किया गया कि वो कभी अपनी बहनों का जिक्र नहीं करती हैं। रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 17 का हिस्सा रहीं कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा अपने अंदाज से लेकर फैमिली के साथ उनके समीकरणों तक के लिए चर्चा में रहीं। एक्ट्रेस ने शो में एक बार भी अपनी बहनों(प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा) का नाम नहीं लिया। सीजन तो मुनव्वर फारुकी ने जीता लेकिन मन्नारा चोपड़ा फैंस का दिल जीतते हुए फर्स्ट रनर अप रहीं। एक्ट्रेस शो में वैसी दिखीं जैसी वो असल में हैं। हालांकि अपनी बहनों का नाम ना लेने की वजह से खिलाड़ियों ने कई बार उन्हें पॉइंट आउट करने की कोशिश की।

अभिषेक कुमार के साथ हुआ था झगड़ा

अभिषेक कुमार के साथ मन्नारा चोपड़ा का इसी बात पर जोरदार झगड़ा हुआ था जिसमें सलमान खान ने भी अपनी राय रखी थी और बाद में अभिषेक को डांटा भी। अब एक पॉडकास्ट में मन्नारा चोपड़ा ने बताया है कि क्यों उन्होंने शो में अपनी बहनों का नाम ना लेने और उनके बारे में बात ना करने का फैसला किया था। अपनी बहनों का नाम ना लेने के चलते सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें उड़ने लगी थीं कि मन्नारा चोपड़ा की उनकी बहनों प्रियंका और परिणीति के साथ अनबन रहती है।

इसलिए लिया था नाम ना लेने का फैसला

सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में मन्नारा चोपड़ा ने बताया कि अगर उन्होंने अपने फैमिली मेंबर्स या बहनों का नाम लिया होता तो लोग उन्हें नेपो किड (भाई भतीजावाद के आधार पर आगे बढ़ने वाली) कहते। एक्ट्रेस ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने अपनी बहनों का नाम नहीं लिया, और जब उन्होंने उनका जिक्र नहीं किया है तो अब लोग उनके बारे में यह सोच रहे हैं कि शायद उनके रिश्ते अपनी बहनों के साथ ठीक नहीं हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वो अपने परिवार की लाडली बच्ची हैं और उन्होंने यह सब अपनी मां से सीखा है।

यह एक्ट्रेस रही है मन्नारा की इन्सपिरेशन

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने शो में प्रियंका-परिणीति का नाम नहीं लिया क्योंकि वो चाहती थीं कि लोग उन्हें खुद अपनी लड़ाई लड़ने के लिए जानें। उन्होंने नाम नहीं लेने का फैसला किया क्योंकि बिग बॉस एक पर्सनैलिटी शो है और वह चाहती थीं कि लोग इस रियलिटी शो में उनकी रीयल साइड देख पाएं। आगे मन्नारा चोपड़ा ने यह भी बताया कि कैसे प्रियंका चोपड़ा हमेशा उनकी इन्सपिरेशन रही हैं। उन्होंने बताया कि सभी कजिन्स में प्रियंका चोपड़ा का अलग ही इम्पैक्ट रहा है।

अनुपमा की नई फिल्म को मिला दिलचस्प शीर्षक

परधा का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी

साउथ की स्टार अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की नई फिल्म का नाम परधा है। अनुपमा परमेश्वरन वर्तमान में टिल्लू स्कायर की शानदार सफलता के बाद अपने करियर की ऊंचाइयों का अनुभव कर रही हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर 130 करोड़ के करीब की कमाई के साथ एक बड़ी हिट के रूप में उभरी। इस सफलता ने उन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है, जिससे वह इंडस्ट्री में सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं।

उन्होंने जिन परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं उनमें से एक निर्देशक प्रवीण कंद्रेगुला के साथ है, जो नेटफ्लिक्स द्वारा निर्मित प्रशंसित ग्रामीण नाटक सिनेमा बंदी में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उनका सहयोग एक ग्रामीण मनोरंजन होगा, जो ग्रामीण आकर्षण और आकर्षक कहानी कहने का मिश्रण होगा।

फिल्म को लेकर उत्साह चरम पर है, हाल ही में घोषणा की गई है कि इसका नाम पराधा रखा गया है। कॉन्सेप्ट वीडियो और शीर्षक ने ज्वालाम्बिका देवी को दिखाने के साथ जिज्ञासा के स्तर को बढ़ा दिया और आध्यात्मिक मंत्रों की पृष्ठभूमि में अनुपमा का लुक सामने आया है। पराधा शीर्षक टैगलाइन इन द नेम ऑफ लव के साथ आता है और इसमें दर्शन राजेंद्रन, संगीता प्रमुख भूमिकाओं में हैं। परधा का निर्माण विजय डोनकाडा, श्रीनिवासुलु पीवी और श्रीधर मक्कुवा द्वारा किया जाएगा, जो यह सुनिश्चित करने के लिए संसाधन जुटाते हैं कि फिल्म एक अच्छे बजट पर बने। इस तरह के मजबूत समर्थन और अनुपमा की स्टार पावर के साथ, परधा एक देखने लायक फिल्म बनने के लिए तैयार है, जो दर्शकों को पसंद आने वाला मनोरंजन प्रदान करने का वादा करती है।

रेड साड़ी में रवीना टंडन का ग्लैमरस लुक, तस्वीरें देख फैंस हुए मदहोश

90 के दशक की दिग्गज अभिनेत्री रवीना टंडन सोशल मीडिया पर हमेशा ही अपनी खूबसूरती और ग्लैमरस लुक के कारण छाई रहती हैं। आए दिन वह अपनी स्टाइलिश तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीवाना बना देती हैं। हाल ही में, रवीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह लाल रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में रवीना ने लाल रंग की ट्रांसपेरेंट साड़ी पहनी हुई है और उन्होंने अपने बालों को बांध रखा है। मेकअप के लिए, रवीना नग्न गुलाबी चमकदार होंठ, काजल-रिम वाली आंखें और हाइलाइट किए हुए गालों से सजी हुई हैं। केजीएफ चैप्टर 2 की अभिनेत्री ने सुनहरे झुमके और मैचिंग चूड़ियाँ चुनीं। पोस्ट को कैप्शन दिया गया है लाल। इस प्रचंड गर्मी में! #ग्लोबल वार्मिंग असली है दोस्तों। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, जाग जाएं। रवीना इन तस्वीरों में अलग-अलग पोज दे रही हैं और अपनी दिलकश अदाओं से फैंस को मोह रही हैं। फैशन डिजाइनर और अभिनेता अरबाज खान की पत्नी शूरा खान ने पोस्ट पर टिप्पणी की और कहा स्टनर। सोनाक्षी सिन्हा ने फायर इमोजी गिराए।

पटना शुक्ला में रवीना तन्वी शुक्ला का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म एक आम महिला तन्वी की असामान्य यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक छात्र को रोल नंबर घोटाले में फंसते देखकर मामले को अपने हाथों में ले लेती है और जल्द ही उसे एहसास होता है कि वह एक मुख्यमंत्री उम्मीदवार के खिलाफ खड़ी है। अरबाज खान प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित, यह डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग हो रही है। काम के मोर्चे पर, रवीना की अगली फिल्म घुड़चढ़ी और वेलकम टू द जंगल है।

प्रभास की स्पिरिट में हुई इन हसीनाओं की धांसू एंट्री

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म स्पिरिट के लिए लोग एक्साइटेड हैं। इस बीच ये खबर सामने आई है कि प्रभास की मूवी में इन 2 हसीनाओं ने धांसू एंट्री की है। साउथ के सुपरस्टार प्रभास की कई फिल्में पाइप लाइन में है। इस लिस्ट में फिल्म कल्कि 2898 एडी का नाम भी शामिल है। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसे देख सभी लोग गदगद हो गए थे। टीजर में अमिताभ बच्चन अश्वत्थामा के किरदार में नजर आ आए थे। अमिताभ का ये लुक फैंस को काफी पसंद आया है। इस बीच प्रभास की अपकमिंग फिल्म स्पिरिट की चर्चा शुरू हो गई है। इस फिल्म को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि मूवी में बॉलीवुड की इन 2 हसीनाओं ने धांसू एंट्री कर ली है।

इन हसीनाओं ने प्रभास की फिल्म में बनाई जगह

एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म स्पिरिट का अच्छा खासा बज बना हुआ है। इस मूवी से भी प्रभास बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं। इस बीच फिल्म के मेकर्स ने बड़ा दांव खेला है। बताया जा रहा है कि मेकर्स ने कियारा आडवाणी और नयनतारा को मूवी के लिए अप्रोच किया है। हालांकि मेकर्स ने फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं की है। बता दें कि प्रभास की फिल्म स्पिरिट का बजट करीब 300 करोड़ बताया जा रहा है। प्रभास की इस फिल्म के लिए फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। प्रभास की 'सालार 2' पर लगा ग्रहण? सीक्वल के शोर के बीच निर्देशक ने लिया यू-टर्न।

इस मूवी में नजर आए थे प्रभास

बताते चलें कि प्रभास की फिल्म सालार पार्ट- 1 बीते साल रिलीज हुई थी। इस मूवी को लोगों ने काफी अच्छा रिस्पॉन्स दिया था। बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की मूवी ने ऐसा धमाल मचाया था कि सभी लोग दंग रह गए थे। मालूम हो कि प्रभास की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाने को तैयार है। इस लिस्ट में कल्कि 2898 एडी, स्पिरिट और सालार 2 के नाम शामिल हैं। अब देखना ये दिलचस्प होगा कि लोग इन फिल्मों को कैसा रिस्पॉन्स देते हैं। इस पर आपकी क्या राय है हमें कमेंट करके जरूर बताएं।

खास खबर

स्कूली छात्र नकारात्मक विचारधारा से दूर रहें, जीवन में अनंत सम्भावनाएं : पुलिस अधीक्षक

बिलासपुर । बोर्ड परीक्षा परिणाम से उत्पन्न तनाव को दूर करने हेतु जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग, बिलासपुर द्वारा चलाए जा रहे फेसबुक लाइव कार्यक्रम-दक्षता विकास प्रशिक्षण के दो सत्र में आज रजनेश सिंह, पुलिस अधीक्षक व आर.पी. चौहान, सीईओ, जिला पंचायत ने फेसबुक लाईव के जरिए संवाद किया। वक्ताओं ने बच्चों को परिणाम से न घबराने की सीख देते हुए भविष्य की असीम सम्भावनाओं पर फोकस करने कहा। फेसबुक लाईव के जरिए जुड़े छात्रों, पालको व शिक्षकों से संवाद करते हुए सिंह ने बच्चों को परीक्षा परिणाम से चिंतित न होते हुए असफलता को सहज ढंग से स्वीकारने के लिए प्रेरित किया। बच्चों से चर्चा के दौरान सिंह ने श्रीमद् भगवत गीता के श्लोक 'कर्मण्ये वाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचनम्' के उद्धरण से चर्चा शुरू करते हुए बच्चों से कहा कि आप अपना कर्म करते रहिए, जिस प्रकार चलना सीखते समय बच्चा सीखता है, गिरता है और फिर खड़ा होता है, उसी तरह असफलता को चौलेंज के रूप में लेना है। रजनेश सिंह ने बच्चों से कहा कि नकारात्मक विचारधारा से दूर रहें। खुद पर भरोसा रखें और हमेशा सकारात्मक आत्मविश्लेषण करें। कक्षा दसवीं अथवा बारहवीं का परीक्षा परिणाम आपकी पर्सनॉलिटी को डिफाइन नहीं करता अत: असफलता पर ध्यान न देकर अपने उद्देश्य पर लक्ष्य करें सफलता अवश्य मिलेगा। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने पालकों को संबोधित करते हुए कहा परीक्षा परिणाम से सभी बच्चे तनावग्रस्त रहते हैं इसलिए उन्हें अधिक से अधिक समय दें, और उनका मनोबल बढ़ाते रहें। शाम को हुए सत्र में जिला पंचायत के सीईओ आर.पी. चौहान ने चर्चा करते हुए कहा कि परीक्षा परिणाम एक शुरूवात है कोई मंजिल नहीं। उन्होंने कहा कि लोग क्या कहेंगे की सोच सही नही है। चौहान ने छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से बच्चों को प्रेरित किया।

लोकसभा चुनाव : 67 अधिकारी-कर्मचारियों ने किया डाक मतपत्र से मतदान

जाजगीर-चांपा। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा के निर्देशन में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 निर्वाचन कर्तव्य पर तैनात सभी कर्मचारियों, अधिकारियों व अनुपस्थित अनिवार्य सेवा के निर्वाचक के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने हेतु सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। आज नवीन ऑडिटोरियम भवन जिला पंचायत के बाजू में जाजगीर के सुविधा केन्द्र में अनिवार्य सेवा मतदाताओं ने लाइन में लग कर डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग किया। उप संचालक सांख्यिकी पायल पाडेय ने बताया कि डाक मत पत्र सुविधा केंद्र में आज 67 अधिकारी, कर्मचारी ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया है एवं 10 ईटीपीबी के माध्यम से मत पत्र प्राप्त हुए। इसी प्रकार सुरक्षा बल, कोटवार और अन्य जिले के अधिकारी, कर्मचारी के लिए 29 अप्रैल से 3 मई प्रात 9 बजे से शाम 5 बजे तक नवीन ऑडिटोरियम भवन जिला पंचायत के बाजू में जाजगीर जिले के मतदान कर्मी 29 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक स्वामी आत्मानंद अग्रेजी माध्यम विद्यालय क्रमाक 01 जांजगीर, अनिवार्य सेवा के मतदात्ता कर्मचारियों पोस्टल वोटिंग सेंटर, रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय जाजगीर में 01 मई से 3 मई तक प्रात 9 बजे से शाम 5 बजे तक एवं जिले के छुटे हुए अन्य मतदाता 04 मई से 06 मई तक प्रात: 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक पोस्टल वोटिंग सेंटर, रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय जांजगीर में डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कर सकते हैं।

अपना सूपड़ा साफ होते देख कांग्रेस संविधान-आरक्षण खत्म होने का भ्रम फैला रही : विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, देश में चल रही मोदी लहर से घबराकर कांग्रेसी नेता अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इसलिए आज कांग्रेस भ्रम फैला रही है कि मोदी की सरकार पर बनने पर संविधान और आरक्षण खत्म हो जाएगा। कांग्रेस के इस झूठ के झांसे में जनता नहीं आने वाली है।

मोदी की गारंटी है कि न तो संविधान खत्म होगा और न ही आरक्षण की व्यवस्था। आदिवासी और दलितों, पिछड़ों को आरक्षण की पूर्व की भांति लागू रहेगा। कांग्रेस मुद्दाविहिन हो चुकी है, इसलिए अब कांग्रेस मोदी की गारंटी के बारे में दुष्प्रचार कर रही है। झूठे वादों करने वाली कांग्रेस को छत्तीसगढ़ की जनता सबक सीखाएगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगी। विष्णुदेव साय ने कहा कांग्रेस कहती है कि महतारी वंदन योजना सिर्फ चुनाव तक ही चलेगी। अब कांग्रेस इसके बारे में भी भ्रम फैलाने काम कर रही है। कहा-मोदी की गारंटी है कि महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने महिला के खाते में हजार इसी तरह दिए जाएंगे। कांग्रेस के झूठ और दुष्प्रचार पर विश्वास मत करिए। इनको अपनी करारी हार दिखने लगी है। इनके सभी प्रत्याशी चुनाव हारने जा रहे हैं। इसलिए कांग्रेस ने अब झूठ को ही हथियार बना लिया है।

उन्होंने कहा कि ये लोकसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है कि क्योंकि देश की सत्ता पर कांग्रेस को काबिज नहीं होने देना है। क्योंकि ये कांग्रेसी तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। मोदी कांग्रेस और इंडी गठबंधन दलों की तरह परिवारवाद की राजनीति नहीं करते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का परिवार सभी देशवासी हैं। उनके लिए वह 24 घंटे में 18 घंटे तक दिनरात काम करते हैं। लेकिन कांग्रेस झूठे वादे कर वोट लेते हैं फिर सत्ता पाने के बाद जनता को लूटने में लग जाते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कांग्रेस की पूर्ववर्ती भूपेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने पांच साल सिर्फ भ्रष्टाचार किए है। कांग्रेस ने कोयला, शराब, डीएमएफ नरवा-गुरुवा, चावल में घोटाला किए। भूपेश बघेल ने महादेव सट्टा एप के जरिए 508 करोड़ रुपए लिए और इस मामले पर उन पर एफआईआर दर्ज है। इनके भ्रष्टाचारी अधिकारी और कांग्रेसी नेता जेल की हवा खा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार ने तीन से 4 महीने में मोदी गारंटी की अधिकांश वादों को पूरा कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी समुदाय की बेटी को द्रौपदी मुर्म को राष्ट्रपति बनाया। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार एक आदिवासी के बेटे विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाकर आदिवासी समाज के सम्मान को बढ़ाया। यहां जांजगीर चांपा की कांग्रेस के प्रत्याशी सरकारी सामुदायिक भवन पर ही कब्जा कर लिया है। दूसरी तरफ भाजपा की कर्मठशील और जुझारू प्रत्याशी कमलेश जांगड़े हैं, जो आपकी सेवा में सदैव तत्पर और उपलब्ध रहेगीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जब केंद्र में सरकार थी तो उस समय आतंकवाद चरम पर था। लेकिन मोदी सरकार आने पर आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारने का काम किया। आज देश से आतंकवाद का सफाया हो चुका है। भाजपा प्रत्याशी कमलेश जांगड़ ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं, युवाओं सहित सभी वर्गों के हितों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की है। देश को विकसति राष्ट्र बनाने के लिए हमें संकल्पित होकर पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। इसके लिए आप सभी को कमल पर बटन दबाना है। सभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,गौरीशंकर अग्रवाल, जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल उपस्थित थे।

कांग्रेस की सरकार बनते ही किसानों का होगा कर्ज माफ एमएसपी पर भी बनेगा कानून : विकास उपाध्याय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने अभनपुर विधानसभा में धुआंधार प्रचार किया,अभनपुर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ऊपरवारा भेलवाडीह पचेड़ा कठिया तामाशिवनी तोरला पारागाँव नवागांव तर्री पटेवा कुर्रा हसदा में जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से लोगों तक पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने गांव गांव में सभाएं भी ली,विभिन्न समाज के लोगों से मुलाकात कर उनका समर्थन मांगा। साथ ही विभिन्न स्थानों पर हो रहे शादी समारोह में भी शामिल हुए हैं और वर वधु को आशीर्वाद दिया।

विकास उपाध्याय ने अपने जनसंपर्क के दौरान पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को भी आम जनता को बताया कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए विभिन्न समाजों के सामाजिक भवन सामुदायिक भवन स्कूल के क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल स्वास्थ्य के क्षेत्र में धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से 20 लख रुपए तक के इलाज का भी जिक्र किया।

सभा के माध्यम से कांग्रेस की पांच न्याय और 25 गारंटीयों जैसे युवाओं को 30 लाख नौकरियां किसानों का कर्ज माफ जीएसटी मुक्त कृषि महालक्ष्मी नारी न्याय गारंटी के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराया। विकास उपाध्याय ने भाजपा की सरकार के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नजर आपके राशन पर है चुनाव होते ही आपके राशन में कटौती करने वाली है उन्होंने बताया कि पूर्व में कांग्रेस की सरकार ने गरीबों को 35 किलो राशन देती थी लेकिन भाजपा की सरकार 7 मई को चुनाव के बाद इसमें कटौती करने वाली है और प्रति व्यक्ति 5 किलो राशन ही कार्डधारी को दी जाएगी।

बृजमोहन ने रोड शो में दिखाया दम, बीजेपी के लिए मांगे वोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन ने अग्रवाल रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रोड शो कर जनता से भाजपा के लिए वोट मांगे और नरेंद्र मोदी को पुन: प्रधानमंत्री बनाने को कहा। इस रोड शो के दौरान रायपुर पश्चिम की जनता में भी गजब का उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह उन्होंने अपने चहेते बृजमोहन अग्रवाल का आतिशबाजी और पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

रोड शो के दौरान कई जगह बृजमोहन अग्रवाल ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव एक नव भारत के निर्माण की नींव रखने वाला चुनाव है। हमको भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए मोदी को पुन: प्रधानमंत्री बनना होगा। जिसमें रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों को योगदान देना होगा। उन्होंने जनता से अपील की कि जैसे विधानसभा चुनाव में रायपुर दक्षिण की जनता ने उन्हें ऐतिहासिक जीत दिलाई है वैसे ही इस बार सभी को मिलकर रायपुर का नाम पूरे देश में ऊंचा करना है। बृजमोहन अग्रवाल ने इस अपार जन समर्थन के लिए जनता का धन्यवाद दिया। रायपुर पश्चिम की जनता का कहना है कि, बृजमोहन अग्रवाल 35 सालों से ज्यादा समय से रायपुर दक्षिण के विधायक हैं। यह पहला मौका है कि जब रायपुर पश्चिम के लोगों को भी बृजमोहन अग्रवाल को वोट देने का अवसर प्राप्त होगा। जिसको लेकर वो उत्साहित हैं।

भाजपा की विदाई का कारण बनेगी नारी न्याय के महालक्ष्मी योजना : कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा कांग्रेस के महालक्ष्मी योजना के बारे में भ्रम फैला रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नारी न्याय के फार्म के बारे में महालक्ष्मी योजना के बारे में भाजपा की झूठी बयानबाजी बता रही है कि इस फार्म के कारण भाजपा डर गयी है। यह महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिये किये जाने वाला वादा है। कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में प्रमुखता से वादा किया है कि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीब महिलाओं को 1 लाख सलाना मिलेगा, अर्थात 8333 रू प्रतिमाह। भाजपा की छत्तीसगढ़ सरकार मात्र 1 हजार रू. महीना देती है। भाजपा को डर है कि महिलाये भाजपा के खिलाफ मतदान करेगी। कांग्रेस पार्टी ने इसको प्रसारित करने के लिये महिलाओं से फार्म भी भरवाया है। कांग्रेस ने न्याय के लिये गारंटी पत्र भी जारी किया और यह कांग्रेस का राजनैतिक कार्यक्रम है, चुनाव में बात पहुंचाने का तरीका है। कांग्रेस अपने पांचों न्याय की गारंटी पत्र भी जनता के बीच लेकर जा रही है। भाजपा जैसे भी भ्रामक प्रचार कर ले, महिलायें फार्म को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित है और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने को आतुर है।

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को 1 लाख रू. सालाना देने के कांग्रेस के निर्णय को कांग्रेस के कार्यकर्ता 11 लोकसभा क्षेत्रों के हर महिला मतदाता तक पहुंचा रहे है।

सात समुंदर पार गीत पर ज्योति यादव ने दी सुंदर नृत्य प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़ । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू के मुख्य आतिथ्य में जिला प्रशासन द्वारा सारंगढ़ में मतदाता जागरूकता म्यूजिक कंसर्ट का आयोजन सोमवार की शाम को किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत आदित्य देवांगन ने बांसुरी वादन से किया।

सत्यम शिवम सुंदरम का शीर्षक गीत मैक्स और मार्टिन सोनी ने युगल प्रस्तुत दी। इसी प्रकार भाव्या अग्रवाल ने मोर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मध्य में सामूहिक रूप से मतदाता शपथ दिलाया गया और सुबह मतदाता दौड़ के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसी के साथ-साथ मतदाता जागरूकता दूत के रूप में स्वच्छता दीदी, दूध, सब्जी विक्रेता सहित अन्य इच्छुक सहयोगियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। ये दूत

अपने कार्य के साथ मतदान तिथि 7 मई को वोट देने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे।

इस कार्यक्रम में गोविंद शर्मा इवेंट मैनेजर के माध्यम से कलाकार बुलाए गए थे, जिनके द्वारा गीत- दिल को हजार बार रोका, लग जा गले, बड़े अच्छे लगते हैं, ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं और ओडिया गीत मोर गुलाबी गली रे, रोंगोबोती, पंजाबी गीत तारा रा, छत्तीसगढ़ी गीत आमा पान के पतरी आदि की प्रस्तुति दी गई। स्वीप नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान द्वारा पल पल दिल के पास तुम रहती हो, गीत का गायन किया गया। आयोजक के आव्हान पर ये देश है वीर जवानों का गीत पर सामूहिक रूप से नृत्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने दर्शक दीर्धा को मंच पर आकर नृत्य करने का आव्हान किया और दिव्या भारती अभिनीत गीत सात समुंदर पार गीत बजाया गया, जिस पर एक बालक और ज्योति यादव ने अपने नृत्य कला से पूरे कार्यक्रम में अपनी सबसे बेहतरीन प्रस्तुति दी। ज्योति यादव के नृत्य को सभी ने सराहा और उनके परफार्मेन्स के लिए तालियों की गड़गड़ाहट से उनका हौसला आफ्जाई की। उल्लेखनीय है कि ज्योति यादव साई शक्ति महिला स्वसहायता समूह से जुड़ी है। इस अवसर पर एसडीएम सारंगढ़ वासु जैन, डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू, वर्षा बंसल, सीएमओ राजेश पांडेय, खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन आर.बी. तिवारी ने किया।

अच्छे से करें मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण, होगा निर्वाचन कार्य आसान-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। सामान्य प्रेक्षक आईएएस डॉ.अंशज सिंह की उपस्थिति में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल ने आज नटवर अंग्रेजी माध्यम स्कूल में चल रहे जिला स्तरीय मतदान दलों के तृतीय प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि सभी प्रक्रिया का अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें एवं पर्याप्त हैण्डऑन प्रेक्टिस करें जिससे निर्वाचन कार्य आसान होगा।

उल्लेखनीय है कि नटवर अंग्रेजी माध्यम स्कूल में रायगढ़ विधानसभा के क्षेत्र के पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी क्रमांक 1, 2, 3 को जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव कुमार

पाण्डेय, एसडीएम खरसिया डॉ.प्रियंका वर्मा, नायब तहसीलदार गिरीश निम्बालकर, बीईओ शैलेश देवांगन उपस्थित रहे।

कलेक्टर गोयल ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से कहा की दल के सभी सदस्यों को निर्वाचन प्रक्रिया की भलीभांति जानकारी होना चाहिए, ताकि गलती की कोई गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि मॉकपोल के पश्चात सीआरसी करना तथा निर्वाचन समाप्त होने के पश्चात क्लोज करना ना भूले, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर समय का विशेष ध्यान रखा जाए, सभी दल सुनिश्चित करें कि वास्तविक मतदान 7 बजे से प्रारंभ हो जाए। उन्होंने मशीनों की सुरक्षा के संबंध में कहा की ईवीएम मशीनों में सबसे संवेदनशील वीवीपैट मशीन है, मतदान दिवस पर वीवीपैट को कमरे में रखने के पूर्व लाईट और सूर्य की रोशनी का बेहतर अवलोकन कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर 543 मतदान केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जाएगी।

कलेक्टर श्री गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा की ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर मतदान दलों को मेडिकल किट के साथ ही मतदान केंद्रों में कूलर, पेयजल एवं शेड की व्यवस्था की जा रही है। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से चैलेंज वोट, मशीनों के फिटिंग, रिप्लेस, सीलिंग, मॉक पोल, मतदान समय, टेस्ट वोट, सीआरसी जैसे मतदान प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे।

उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर सभी समय का ध्यान रखते हुए वोटिंग कार्य तेजी से करेंगे ताकि भीड़ की स्थिति से निपटते हुए नियत समय में शत-प्रतिशत मतदान किया जा सके। उन्होंने मतदान दलों को अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि लोक सभा निर्वाचन को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के बाद सभी दल सुरक्षित मतदान केन्द्र तक पहुंचे।

सामान्य प्रेक्षक आईएएस डॉ.अंशज सिंह एवं कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने आज सृजन सभाकक्ष में बनाये गये सुविधा केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सुविधा एवं सूचना के संबंध में जानकारी ली। मौके पर उन्होंने पंजी संधारण का अवलोकन किया एवं मतदाताओं के संबंध में जानकारी ली। डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल ऑफिसर डाकमत पत्र महेश शर्मा ने बताया कि 29 अप्रैल की स्थिति में 359 अधिकारी-कर्मचारी मतदान कर चुके है। साथ ही 800 से अधिक वोटरों को मतदान तिथि के संबंध में सूचना दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि मतदान कार्य में संलग्न 5200 कर्मचारियों को इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिक्रेट (ईडीसी) भी जारी किया गया है।

मतदान कर अपनी भागीदारी निभाएंगे मतदाता

अम्बिकापुर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विकासखण्ड लखनपुर के ग्राम रेम्हला के पहाड़ी कोरवा बसाहट में विशेष पिछड़ी जनजाति के मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने जिला प्रशासन की टीम उनके बीच पहुंची। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर की मतदाताओं के नाम चिठ्ठी व चुनाव पर्व में शामिल होने आमंत्रण पत्र का मतदाताओं के बीच वाचन किया गया। जनपद पंचायत सीईओ लखनपुर वेद प्रकाश पाण्डेय ने पहाड़ी कोरवा मतदाताओं और ग्रामीणों को मतदान के महत्व को बताया, उन्होंने कहा कि वोट हमारा अधिकार है।

खास खबर

ढेबर ने कोर्ट में किया सरेंडर

रायपुर (ए.)। जग्गी हत्याकांड मामले में आरोपी रायपुर महापौर एजाज ढेबर के भाई याहया ढेबर ने मंगलवार को रायपुर जिला कोर्ट में सरेंडर कर दिया। याहया को जग्गी हत्याकांड में 17 साल पहले दोषी करार दिया गया था। इस मामले में हाईकोर्ट ने इसी महीने अपने फैसले में सभी आरोपियों की सजा बरकरार रखी है। मामले में दोषी पाए गये सभी आरोपी एक-एक कर सरेंडर कर रहे हैं। शूटर चिमन सिंह सहित एक अन्य आरोपी ने पहले ही सरेंडर कर दिया था।

बता दें कि रामवतार जग्गी हत्याकांड 2003 में अजीत जोगी के शासनकाल में हुआ था। जिसका एफआईआर स्वर्गीय विद्याचरण शुक्ल के दबाव में मौदहापारा थाने में दर्ज हुआ था, जिसमें 32 आरोपियों के नाम हत्याकांड में सामने आए थे। सभी आरोपियों को 7 -8 साल के उपरांत हाई कोर्ट से ज़मानत अपील के द्वारा मिली थी। जो विगत सप्ताह हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए सभी आरोपियों की जमानत रद्द कर दी और सभी आरोपियों को एक हफ्ते का समय सजा हेतु सरेंडर करने का दिया था। जिसमें रायपुर महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई याहया ढेबर सहित 22 आरोपियों को अपनी सजा पूरी करने के लिए वापस जेल जाना था। इनमें से शूटर चिमन सिंह सहित एक अन्य आरोपी ने पहले ही सरेंडर कर दिया था। वहीं याहया ढेबर सोमवार देर शाम सरेंडर के लिए पहुंचे थे जिसे कोर्ट ने मंगलवार को आने को कहा था जिसके बाद मंगलवार को कोर्ट पहुंचकर याहया ढेबर ने सरेंडर कर दिया।

मामूली विवाद पर जीजा ने की साले की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

गरियाबंद (ए.)। सीटी कोतवाली थानाक्षेत्र के ग्राम तंवरबहरा में आपसी विवाद के चलते जीजा ने साले की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार खाने को लेकर बीवी और साले से हुए विवाद के बाद आवेश में आकर आरोपी जीजा बंशी ध्रुव ने कुल्हाड़ी से साले की गर्दन पर वार कर दिया और साले की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने थाने में मामले की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बंशी ध्रुव को गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व विशेष सचिव और मार्कफेड एमडी मनोज सोनी को ईडी की टीम ने किया गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। कस्टम मीलिंग घोटाले में ईडी ने खाद्य विभाग के पूर्व विशेष सचिव और मार्कफेड एमडी मनोज सोनी को ईडी की टीम ईओडब्ल्यू ऑफिस से गिरफ्तार कर स्पेशल कोर्ट ले आई। ऐसा तब हुआ जब हुआ जब मनोज सोनी इसी मामले में अपना बयान दर्ज करने के लिए ईओडब्ल्यू ऑफिस पहुंचे थे। ईडी ने मनोज सोनी को स्पेशल कोर्ट में पेश कर 10 दिन की रिमांड मांगी है। मिली जानकारी वे अनुसार मनोज सोनी 175 करोड़ के कस्टम मीलिंग घोटाले में बयान देने ईओडब्लू पहुंचे थे। पूछताछ के दौरान ही ईडी की टीम अचानक पहुंची और मनोज सोनी को अपनी गाड़ी में बिठाकर लेकर चली गई। इधर ईओडब्लू ने भी कस्टम मीलिंग घोटाले में जांच तेज कर दी है। हजारों करोड़ के घोटाले में कथित मास्टर माइंड रोशन चंद्राकर से पूछताछ हुई थी और मंगलवार को खाद्य विभाग के पूर्व विशेष सचिव और बीएसएनल अधिकारी मनोज सोनी को पूछताछ के लिए ईओडब्लू तलब किया गया है। मनोज सोनी मार्कफेड के एमडी भी रहे हैं। मनोज सोनी के खिलाफ ईओडब्लू में भी केस दर्ज है।

तेंदुए के हमले से ग्रामीण घायल

कोरबा (ए.)। तेंदुए के हमले में एक ग्रामीण बुरी तरह से घायल हो गया है। पसान वन परिक्षेत्र के ग्राम गोकुंडा तनेरा में यह घटना सामने आई है। ग्राम अमलकुंडा निवासी बजरु उरांव शौच के लिए पास के नर्सरी में गया हुआ था इसी दौरान यह घटना हुई। घायल को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार अमलीकुंडा गांव में रहने वाला एक ग्रामीण तेंदुए के हमले में बुरी तरह से घायल हो गया है,जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायल का नाम बजरु उरांव है,जो ग्राम गोकुंडा तनेरा स्थित नर्सरी के पास शौच के लिए गया हुआ था,इसी दौरान तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। बजरु की चीख पुकार सुनकर आस पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तब तेंदुआ भाग खड़ा हुआ। लोगों की सहायता से उसे अस्पताल में भर्ती किया गया जहां उसका उपचार जारी है। इस घटना के बाद वन विभाग आस पास के क्षेत्र में मुनादी कर लोगों को तेंदुए से सतर्क रहने की अपील कर रहा है।

राजनांदगांव में बड़ा हादसा : तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से चार की मौत

आक्रोशित गांव वालों ने राजनांदगांव-कवर्धा मार्ग पर किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले के चिखली चौकी अंतर्गत तिलई गांव में मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे बस का इंतजार करने वालों को ट्रक चालक ने कुचल दिया। घटना में एक पुरुष, एक बच्ची, दो महिला और एक मवेशी की मौत हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक भाग निकला। घटना के बाद आक्रोशित गांव वालों ने राजनांदगांव कवर्धा मार्ग पर चक्काजाम कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, तिलई गांव निवासी 4 लोग सड़क किनारे खड़े होकर बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान खैरागढ़ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि ट्रक ने पहले कार और बाइक सवारों को टक्कर मारी, इसके बाद लोगों को चपेट में ले लिया। हादसे में एक मवेशी की भी मौत हुई है। हादसा होते देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई है। सूचना मिलने पर पुलिस फोर्स भी पहुंच गई। आक्रोशित ग्रामीणों को पुलिस प्रशासन के आलाधिकारियों के द्वारा लगातार समझाइस दी रही जा रही है। बावजूद ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर डटे हुए हैं।

नाबालिग से छेड़छाड़ व जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर (ए.)। नाबालिक अपने परिजन के साथ थाना उपस्थित रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रार्थिया को जितेन्द्र जाधव उर्फ जितेन्द्र पाटिल उसे अकेला देखकर उससे छेड़छाड़ की व किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए , प्रार्थिया की रिपोर्ट पर तत्काल थाना तखतपुर में अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से) के द्वारा प्रकरण को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल आरोपी के गिरफ्तारी एवं कार्यवाही का निर्देश दिया गया। थाना प्रभारी हरिश चंद्र टांडेकर के नेतृत्व में टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपी जितेन्द्र जाधव उर्फ जितेन्द्र पाटिल को चंद घंटो में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उक्त संवेदनशील प्रकरण में त्वरित

कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती अर्चना झा और एसडीओपी कोटा नूपुर उपाध्याय की सराहना की।

उक्त कार्यवाही में निरीद्वाक हरिश्चंद्र टांडेकर थाना प्रभारी तखतपुर, सउनि एस आर राजपूत, आरक्षक प्रकाश सिंह ठाकुर, आशीष वस्त्रकार, संदीप कश्यप, सुनील सूर्यवंशी का विषेष योगदान रहा। गिरफ्तार आरोपी में जितेन्द्र जाधव उर्फ जितेन्द्र पाटिल पिता बलीराम पाटिल उम्र 40 साल निवासी गुप्ता मोहल्ला तखतपुर थाना तखतपुर जिला बिलासपुर है।

टोनही बोलकर महिला की पिटाई, गुस्साए देवर ने सब्बल से फोड़ा सर

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में टोना-जादू करने करने के आरोप में महिला से पिटाई का एक मामला सामने आया है। प्रदेश की राजधानी रायपुर में एक देवर ने अपनी भाभी पर टोनही का आरोप लगाते हुए उसकी पिटाई की है। देवर ने भाभी पर टोना जादू करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब से यह घर आई है वह कंगाल हो गया है। इसके साथ ही लड़के ने घर में रखे सब्बल से महिला की पिटाई करते हुए उसे सर को लहूलुहान कर दिया है। यह पूरा मामला रायपुर के खरोरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

खरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाली तारण भाई ने थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए कहा कि वह अपने पति और बच्चे के साथ रहती है। उसकी शादी को हुए करीब 15 सालों का वक्त पूरा हो चुका है। तारण भाई ने कहा कि सोमवार की रात वह अपने घर के आंगन पर बैठी हुई थी उस वक्त अचानक उसका देवर कुंवर दास बंजारे घर में घुस गया और पीड़िता को टोनही बोलते हुए अश्लील गाली गलौज करने लगा। इतना ही नहीं कई तरह के आरोप लगाते हुए देवर ने भाभी के साथ मारपीट की और घर में रखें सब्बल से उसके सिर पर वार किया है।

पीड़िता ने एफआईआर करते हुए शिकायत की है कि देवर, सास और ननंद ने मिलकर उसकी पिटाई की है। उसने कहा कि पिटाई करने के दौरान दो लोगों ने उसका हाथ पकड़ा और देवर ने सब्बल से उस पर हमला किया है। जिससे पीड़िता के सर पर गंभीर चोट आई है। वही इस पूरे मामले में पुलिस मामला दर्ज करते हुए जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें जमानती धारा पर छोड़ दिया गया है। फिलहाल इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

समिति प्रबंधक आत्महत्या मामला बना राजनैतिक स्टंट

राजनांदगांव (ए.)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी नवाज खान को जहां पिछले दिनों ग्राम छिपा स्थित धान खरीदी केंद्र के समिति प्रबंधक गोवर्धन वर्मा के आत्महत्या मामले में डोंगरगढ़ पुलिस ने नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था जिसके बाद से ही नवाज खान डोंगरगढ़ पुलिस से बचते नजर आ रहे थे। वहीं नवाज खान ने पूरे मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी ।

एक मीडिया से चर्चा करते हुए नवाज खान ने कहा कि यह षड्यंत्र था 26 तारीख को हुए चुनाव में उन्हें अपनी पार्टी का काम करने से रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया, ताकि मैं अपने पार्टी का चुनाव प्रचार ना कर सकूं। मेरा मानना है की इस पूरे मामले में पुलिस प्रशासन दोषी नहीं है। सत्ताधारी के इशारे में पूछताछ के लिए मुझे नोटिस भेजा गया। भारतीय जनता पार्टी ने पूछताछ नोटिस की आड़ में चुनाव प्रचार को प्रभावित करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि जिस मामले में उनका दूर दूर तक कोई लेना देना नही है उसमे उनको

नोटिस जारी किया गया प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग का आरोप भी नवाज ने लगाया । नवाज ने कहा की जिनसे मेरी मित्रता है उनके घर भी जा कर उनको परेशान किया गया जो की अनुचित है मैं कौन सा अपराधी था जो मेरे शुभचिंतकों के घर पुलिस को भेज कर परेशान किया गया ये भारतीय जनता पार्टी की चाल थी ठीक चुनाव में मतदान के पहले मुझे पूछताछ के लिए नोटिस जारी करते हैं। जिससे चुनाव प्रभावित कर सके और मैं अपने पार्टी का काम ना कर सकूं। ऐसा कृत्य भारतीय जनता पार्टी करते आ रही है जिससे लोकतन्त्र का हनन है।

दुर्ग सहकारी बैंक के सीईओ निलंबित

दुर्ग। दुर्ग जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेंद्र कुमार जोशी को निलंबित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध संचालक ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग के जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेंद्र कुमार जोशी को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 5 के उल्लंघन पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जोशी के खिलाफ चुनाव के दौरान एक पार्टी विशेष के पक्ष में काम करने की शिकायत की गई थी। शिकायत पर दुर्ग कलेक्टर द्वारा इसकी जांच के लिए तीन सदस्यीय जिला स्तरीय जांच समिति गठित की गई। जांच में शिकायत सही पाई गई। आरोप है कि जिला सहकारी बैंक के सीईओ जोशी के द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी पार्टी के लिए काम किया गया।

दुर्ग का शातिर बदमाश मोहित जिलाबदर

6 जिलो की सीमाओं ने बाहर निकालने का दिया आदेश

दुर्ग। जिले के शातिर बदमाश मोहित सिन्हा को जिला बदर कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा आदतन शातिर बदमाश मोहित सिन्हा के अपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चैन, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत जिलाबदर की कार्रवाई की गई है।

जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार मोहित सिन्हा (23) निवासी वार्ड नंबर 02 राजीवनगर दुर्ग को राजस्व जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव,

बालोद एवं धमतरी जिला की सीमाओं से आदेश पारित की तिथि से एक सप्ताह के भीतर हटने अथवा बाहर चले जाने कहा गया है। साथ ही बदमाश मोहित को इस तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी के बिना अनुमति के प्रवेश निषिद्ध होगा। बता दें पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में आरोपी के विरूद्ध थाना दुर्ग में मार-पीट, लोगों को गंदी-गंदी गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देना एवं सट्टा के संबंध में कई अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है, फिर भी उसके अपराध में कोई कमी नहीं आई है। आरोपी को न्यायालय द्वारा कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने पर भी उसके द्वारा कोई जवाब पेश नहीं किया गया है। आरोपी के विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर उसका पक्ष समर्थन का अवसर समाप्त किया गया है। प्रतिवेदन की विवेचना पश्चात् जिला दण्डाधिकारी सुश्री चौधरी ने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु एकपक्षीय कार्यवाही कर आरोपी के विरूद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की है।

युवक गांजा के साथ गिरफ्तार, 10 किलो माल जब्त

बिलासपुर (ए.)। बिलासपुर में जीआरपी की एंटी क्राइम टीम ने एक युवक को 10 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर तस्कर फोर्स के यूनिफार्म पहनकर बैठा था, जिसे देखकर जीआरपी ने पूछताछ की, तब वह खुद को मुंबई के स्पेशल टॉस्क फोर्स का जवान बताने लगा। उसके बैग की तलाशी लेने पर 10 किलो गांजा बरामद हुआ।

युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल व जीआरपी के जवान स्टेशन व ट्रेनों में लगातार जांच कर रही है। जांच के दौरान सुरक्षा बल के जवान अवैध हथियार से लेकर शराब व गांजा की तस्करी करने वालों की धरपकड़ कर रहे हैं। इस कड़ी में मंगलवार की रात जवानों ने जोनल स्टेशन की जांच कर रहे थे। तभी प्लेटफार्म नंबर 4-5 पर रायपुर छोर की तरफ़ एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में बैठा मिला। वह फोर्स का यूनिफार्म पहना था। पूछताछ में उसने खुद को मुंबई के स्पेशल टॉस्क फोर्स का जवान बताने लगा और ट्रेन का इंतजार करने की जानकारी दी। उसने बताया कि उसका नाम कल्पेश पाटिल (26) पिता सुरेश गोरख पाटिल है और मुंबई के धुली में रहता है। उसकी गतिविधियों को देखकर जीआरपी की टीम को भरोसा नहीं हुआ कि वह पुलिस फोर्स में है। तब उसके बैग की तलाशी ली गई। जांच के दौरान उसके बैग से 10 किलो गांजा बरामद हुआ। जिसके बाद वह कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाने लगा। लेकिन, जीआरपी ने उसकी एक नहीं सुनी और उसे पकड़कर थाने ले आई।

लापरवाही की जांच की मांग पर परिजनों का हंगामा

शादी में ड्राइ आइस खाने से 3 साल के बच्चे की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले के चमारराय टोला गांव में एक 3 साल के बच्चे की ड्राई आइस खा लेने से मौत हो गई है। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया है। घटना की सूचना मिलने पर लालबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर पहले हंगामे को शांत कराया और अपनी जांच पड़ताल शुरू की है।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के ग्राम चमरराय टोला में एक शादी समारोह था, जहां गांव का एक बच्चा अपनी मां के साथ पहुंचा हुआ था। जहां खेल-खेल में उसकी नजर ड्राई आइस पर पड़ी और वह उसे खा लिया। बताया जा रहा है कि शादी समारोह से घर पहुंचने के कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। जब बच्चे की तबियत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे लेकर डॉक्टर के पास पहुंचे। जहां डॉक्टर ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद बच्चे के परिजन गुस्से में हंगाम करना शुरू करते हुए इस मामले में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई करने की बात कही है।

इस मामले को लेकर डोंगरगांव एसडीओपी दिलीप

सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चा अपने परिजनों के साथ शादी कार्यक्रम में आया हुआ था। जहां शादी में उपयोग किए जाने वाले ड्राई आइस को बच्चों ने खा लिया। उसके बाद जब बच्चा घर पहुंचा तो उसकी तबियत बिगड़ने लगी। तबियत बिगड़ने के बाद परिजन बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने कहा कि इस पूरे मामले में जांच की जा रही है।

दुर्ग-पाटन फोरलेन में चक्का जाम

दुर्ग। दुर्ग पाटन फोरलेन सड़क में देवादा गांव के पास बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया। वो लोग सिक्सलेन में निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों की मौत के बाद से आक्रोषित हैं। उन्होंने शासन प्रशासन मुआवजे की मांग की है।

पाटन पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पाटन से लगभग तीन से चार किलोमीटर पहले देमार गांव में बीती रात एक मजदूर की हाइवा की चपेट में आने मौत हो गई। वहां सिक्स लेन बनाने वाली कंपनी के अंडर में वो मजदूर काम कर रहा था। काम के दौरान ही दुर्घटना हुई है। जब सिक्सलेन निर्माण करने वाली कंपनी ने मजदूरों के परिजनों उचित मुआवजा देने से मना किया तो आक्रोषित ग्रामीणों ने देवादा स्थित सिक्सलेन कंपनी के कार्यालय का घेराव कर दिया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में वहां विरोध दर्ज कराने पहुंच गए। ग्रामीणों ने मिलकर फेरलेन सड़क में बैठकर चक्काजाम कर दिया। वो लोग 60 लाख रुपए मुआवजे की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

अज्ञात वाहन की ठोकर से अधेड़ महिला की मौत

गरियाबंद (ए.)। जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर मोहेरा पुल के समीप 60 से 65 वर्षीय एक अधेड़ महिला की मौत अज्ञात वाहन की ठोकर से हो गया। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 10 बजे के लगी मोहेरा पुल से आगे ग्राम बारूका के समीप एक अधेड़ महिला को मृत अवस्था में सड़क किनारे पड़े होने की जानकारी राहगीरों द्वारा सिटी कोतवाली पुलिस को दिया गया। जानकारी मिलते ही कोतवाली टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर एक अधेड़ महिला को मृत अवस्था में पाया गया,जिसे किसी वाहन से ठोका गया था। फिलहाल मृत महिला को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया, मृतका अज्ञात होने के पुलिस उसके परिजनों की तलाश में नजदीक के थाना और पड़ोसी जिले को थानों में संपर्क कर रहे हैं।

खास - खबर

डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने जिले में सुविधा केन्द्र स्थापित

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत जिले में पदस्थापित अधिकारी-कर्मचारी जो रायपुर जिले के मतदाता है तथा जिन्होंने डाक मतपत्र से मतदान हेतु प्रारूप-12 में आवेदन प्रस्तुत किया हो, वे रायपुर जिले में डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कर सकते हैं। रायपुर जिले में डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा हेतु सुविधा केन्द्र/पोस्टल वोटिंग सेंटर स्थापित किया गया है। मतदान दल कर्मचारी एवं अन्य जिलों से प्राप्त डाक मतपत्र के आवेदकों, अनुपस्थित श्रेणी अनिवार्य सेवा, वाहन चालक एवं अन्य निर्वाचन कर्तव्यों में संलग्न मतदाताओं हेतु रायपुर में मतदाता सुविधा केन्द्र बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र 47-धरसींवा, 48-रायपुर नगर ग्रामीण, 49-रायपुर नगर पश्चिम, 50-रायपुर नगर उत्तर, 51-रायपुर नगर दक्षिण, 52-आरंग, 53-अभनपुर, 45-बलौदाबाजार (आंशिक) हेतु टाउन हॉल कलेक्ट्रेट परिसर रायपुर को मतदाता सुविधा केन्द्र बनाया गया है।

ईवीएम कमिश्निंग प्रारंभ हुई

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 07 दुर्ग के लिए मतदान के लिए तैयारियां की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में पॉलीटेक्निक कॉलेज दुर्ग में विधानसभा दुर्ग ग्रामीण 63 क्रमांक में आज ईव्हीएम मशीन का कमिश्निंग कार्य प्रारंभ हुआ। यह कार्य ईसीआईएल इलेक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान प्रेक्षक श्रीकेश लथकर द्वारा बीआईटी कॉलेज दुर्ग में चल रहे मतदान दल प्रशिक्षण व डाक मत पत्र के द्वारा मतदान कार्यों का निरीक्षण किया गया। प्रेक्षक लथकर ने निरीक्षण के दौरान मतदान संबंधी आवश्यक जानकारियां दी। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, सीईओ जिला पंचायत अश्विनी देवांगन, आयुक्त नगर निगम भिलाई दशरथ राजपूत के साथ-साथ अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

सामग्री वितरण के संपूर्ण प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत दुर्ग जिले में सामग्री वितरण हेतु तीन स्थलों का चिन्हांकन किया गया है। तीन स्थलों शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मानस भवन एवं शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (साईंस कॉलेज दुर्ग) पर सामग्री वितरण के संपूर्ण प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। विधानसभा क्षेत्र 63-दुर्ग ग्रामीण एवं 67-अहिवारा के लिए नोडल अधिकारी नगर पालिक निगम रिसाली आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा को नियुक्त किया गया है।

सामान्य आब्जर्वर एस.बी.शेट्टेनवर के लायजनिंग अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 07 दुर्ग के लिए भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार सामान्य आब्जर्वर एस.बी.शेट्टेनवर(आईएएस) की नियुक्ति की गई है। प्रेक्षक के लायजनिंग अधिकारी के रूप में कार्यपालन अभियंता देवेश माहेश्वरी की नियुक्ति की गई थी। आंशिक संशोधन करते हुए प्रेक्षक के निर्देशानुसार लायजनिंग अधिकारी अधीक्षण अभियंता छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण परियोजना मंडल बलवंत सिंह पटेल मोबाइल नंबर को नियुक्त किया गया है।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु सार्थक पहल

विश्वविद्यालय एवं अभ्युदय संस्थान अछोटी के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश में अगामी नये शिक्षण सत्र से लागू होने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन के परिपालन में सार्थक पहल की गई है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान पंरम्परा का समावेष करते हुए विषेष महत्व दिया गया है।

इस पर संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस के अवसर पर हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग तथा मानवीय षिक्षा शोध संस्थान, अभ्युदय संस्थान, अछोटी के मध्य एम.ओ.यू हस्ताक्षरित किया गया।

इस एमओयू पर हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग की ओर से कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप तथा अभ्युदय संस्थान, अछोटी की ओर से डॉ. संकेत ठाकुर ने हस्ताक्षर किये। इस दौरान अपर संचालक, उच्च षिक्षा विभाग, दुर्ग संभाग डॉ. राजेष पांडे, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई के प्राचार्य, डॉ. आर. पी. अग्रवाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव सहित विष्वविद्यालय के अनेक अधिकारी उपस्थित थें। एमओयू को विष्वविद्यालय के प्राध्यापकों, प्राचार्यों, शोधार्थियों तथा छात्र-छात्राओं के लिए लाभकारी बताते हुए कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने कहा कि अभ्युदय संस्थान द्वारा मानवीय चेतना विकास तथा मूल्य षिक्षा पर केन्द्रित पाठ्यक्रम निर्माण में विष्वविद्यालय को सहयोग किया जायेगा। जिसका अनुप्रयोग भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित पाठ्यक्रम के अंतर्गत किया जायेगा। मानव समाज के लिए रोड मैप तथा दर्षन पर आधारित मध्यस्थ दर्शन से संबंधित प्रषिक्षण अभ्युदय संस्थान द्वारा दिया जाता है।

विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से ग्रीष्म अथवा शीत अवकाष में महाविद्यालयीन प्राध्यापकों, शोधार्थियों को इस आवासीय प्रषिक्षण में हिस्सा लेने हेतु भेजना आरंभ करेगा। इस अवसर पर उपस्थित अपर संचालक, उच्च षिक्षा विभाग, दुर्ग संभाग डॉ. राजेष पांडे ने इस एमओयू के क्रियान्वयन में उच्च षिक्षा विभाग द्वारा हर संभव सहयोग का आष्वासन दिया।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से अप्रैल 2024 माह में सेवानिवृत्त हो रहे गैर-कार्यपालकों को 30 अप्रैल 2024 को सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कलामंदिर में आयोजित गरिमामयी समारोह में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने भावभीनी विदाई दी।

इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, महाप्रबंधक एस के सोनी उपस्थित थे। कार्यपालक निदेषक पवन कुमार ने सेवानिवृत्त होने वाले इस्पात बिरादरी के सदस्यों को सेवानिवृत्ति आदेष प्रदान करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। इसके अतिरिक्त भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालकों को विगत दिनों इस्पात भवन के निदेशक प्रभारी सभागार में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। भिलाई इस्पात संयंत्र से अप्रैल 2024 में कुल 126 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें 4 कार्यपालक, 117 गैर-कार्यपालक शामिल है। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में खदान बिरादरी के 5 सदस्य भी शामिल हैं। संयंत्र के विभिन्न विभागों और खनिज नगरों में पदस्थ कुल 117 कर्मचारी अपनी लम्बी सेवा के बाद 30 अप्रैल 2024 को सेवानिवृत्त हुए।

मतदाता जागरूकता बढ़ाने प्रशासन एकादश एवं नागरिक एकादश के मध्य आयोजित हुआ फ्रैंडली क्रिकेट मैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत मतदान जागरूकता की विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ भिलाई नगर निगम एवं जिला प्रशासन दुर्ग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता हेतु फ्लड लाइट फ्रैंडली क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच प्रशासन एकादश एवं नागरिक एकादश के मध्य खेला गया।

जिसमें प्रशासन एकादश के कप्तान आईजी रामगोपाल गर्ग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। प्रशासनिक एकादशी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 115 रन बनाए। जिसमें नगर निगम भिलाई के अधिकारी अरविंद शर्मा ने 42 रन तथा एसपी दुर्ग श्री जितेन्द्र शुक्ला ने 35 रन का बड़ा योगदान दिया। जिसके जवाब में नागरिक एकादश की टीम ने ताबड़ तोड़ बल्लेबाजी करते हुए ग्यारहवें ओवर में ही 116 रन बनाकर मैच की जीत अपने नाम की। इस मैच में प्रशासन एकादश एवं नागरिक एकादश के खिलाड़ियों ने जोर शोर से मतदाता जागरूकता के लिए अपनी प्रदर्शनी दिखाई। साथ ही अन्य नागरिकों ने भी खेल का आनंद लिया।

इस मैच में प्रशासन 11 की ओर से सामान्य प्रेक्षक श्रीकेश लथकर ,संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी दुर्ग आर जी गर्ग, एसपी दुर्ग जितेंद्र शुक्ला, सीईओ जिला पंचायत अश्विनी देवांगन, एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे, कमिश्नर भिलाई नगर निगम देवेश कुमार ध्रुव, कमिश्नर रिसाली नगर निगम मोनिका वर्मा, डिप्टी कलेक्टर हरिवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर लवकेश ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर मुकेश कोठारी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण शामिल हुए एवं नागरिक एकादश की ओर से राजेंद्र ठाकुर की अगुवाई में जिले के नागरिकों ने शिरकत की।

विधानसभा स्तरीय व्यापारी समारोहः 50 से अधिक व्यापारियों का विधायक रिकेश ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आज शाम होटल अमित पार्क में भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा स्तरीय व्यापारी सम्मान समारोह में विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन ने शहर के नामचीन 50 से अधिक व्यावसायियों को सम्मानित किया। श्री सेन ने सैकड़ों की संख्या में मौजूद व्यापारियों को कहा कि देश की उन्नति और प्रगति में व्यापारी वर्ग का अभिन्न योगदान रहा है।

वैशाली नगर में आप लोगों ने मतदान कर मुझे पार्षद चुना और लगातार 25 वर्षों तक अलग अलग वार्ड के विकास का मुझे अवसर दिया, आप लोगों ने ही मुझे 41 हजार मतों से विजयी बना कर विधायक बनाया। इस बार का चुनाव काफी महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि मोदीजी को हम सभी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में चुनने जा रहे हैं। मोदीजी को और भी मजबूत करने के लिए हम सभी को विजय बघेलजी को भारी मतों से जीताना है? इसलिए 7 मई को हर व्यापारी बंधु अपने मत का प्रयोग अवश्य करें।

वैशाली नगर विधानसभा से विजय बघेल को एक लाख मतों की लीड दिलाने का लक्ष्य हम सभी ने लिया है और इस लक्ष्य को व्यापारी बंधुओं के सहयोग से हम जरूर पूरा करेंगे। इस दौरान सुपेला संडे मार्केट के व्यवसायियों ने मार्केट को जाम से मुक्ति दिलाने विधायक रिकेश का सम्मान किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक लाभचंद बाफ्ना, भाजपा श्रमिक नेता प्रभुनाथ मिश्रा, संजय बघेल, शिव चंद्राकर, चेम्बर आफ कामर्स से अजय भसीन, गारगी शंकर मिश्रा, चिन्ना राव सहित अनेक व्यापारी बंधु, उद्योगपति उपस्थित रहे।

ग्राम ढाबा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी क्रम में 30 अप्रैल 2024 को ग्राम ढाबा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

ढाबा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 20 लोगों की जांच की गई जिसमें ग्राम के महिला, पुरुष एवं बच्चे सम्मिलित थे। इस शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। शिविर में चिकित्सक डॉ सरस्वती, फार्मासिस्ट श्री सूसन राय, शुगर एवम बीपी परीक्षण के लिए श्रीमती फिरोजा जोसेफ व पंजीयनकर्ता श्री शम्भू दयाल तथा विभाग की ओर से श्रीमती सीता सिन्हा उपस्थित थी। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

विधायक ललित चंद्राकर दुर्ग ग्रामीण से भाजपा को दिलाएंगे भारी बढ़त, कहा-

दुर्ग समेत प्रदेश की 11 सीटों पर जीत का परचम लहराएंगे भाजपा प्रत्याशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधानसभा चुनाव में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनाव लडने् की चुनौती देने वाले कांग्रेस के पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू को चुनावी मैदान में चारो खाने चित्त करके भाजपा विधायक ललित चंद्राकर दुर्ग लोकसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को भारी बढ़त दिलाने दृढ़ संकल्पित है। स्वभाव से सरल, सहज और मिलनसार श्री चंद्राकर अपने निवास में पहुंचे प्रत्येक लोगो से स्वयं मिलते है।

उन्होने अपने विधानसभा की जनता को समस्याओं से अवगत कराने अपना मोबाइल नंबर भी दे रखा है। जनता से सीधे संवाद बनाए रखने का यह अंदाज लोगों को काफी लुभा रहा है। श्री चंद्राकर से कुछ सवाल किए, जिसका उन्होने बेबाक अंदाज में जवाब दिया। दुर्ग ग्रामीण में अब तक किए गए जनसंपर्क से क्या देखने को मिल रहा।

इस पर विधायक ललित चंद्राकर का कहना था कि ग्रामीण क्षेत्र के किसान धान खरीदी के एकमुश्त भुगतान से खुश है। पिछली सरकार किश्तो में भुगतान करती थी,इसका पैसा पता नही चलता था,अब एक साथ मिलने से वे अपनी रकम का सही उपयोग कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र की माताएं-बहने महतारी वंदन योजना के लाभ से खुश है। दुर्ग ग्रामीण से भाजपा को भारी बढ़त मिलेगी। कांग्रेस ने महिलाओं को एक साल में एक लाख रू. देने का वादा अपने घोषणा पत्र में किया है। इसका क्या असर पड़ेगा? जवाब में श्री चंद्राकर ने कहा कि इसका कोई असर नही पड़ेगा। महिलाएं जानती है कि कांग्रेस एक लाख देने का भ्रमजाल फैलाकर इनका वोट पाना चाहती है। पिछली सरकार ने महिलाओं को पांच सौ रूपए देने का वादा किया था। पांच साल शासन में रही लेकिन पैसा नही दिया। दुर्ग लोकसभा के साथ प्रदेश की ग्यारह सीटो में भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहेगा? उत्तर में श्री चंद्राकर ने कहा कि लोकसभा का चुनाव राष्ट्रीय स्तर का चुनाव है। दुर्ग लोकसभा के साथ पूरे प्रदेश की जनता इस तथ्य से भली भांति वाकिफ है कि देश में प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने भारत की साख विश्व जगत में बनाई है। दुर्ग लोकसभा के साथ पूरी ग्यारह सीटों पर भाजपा की ही जीत होगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू के दुर्ग लोकसभा चुनाव में सक्रिय रहने से जुड़े सवाल पर उन्होने कहा कि दुर्ग लोकसभा की जनता किसे वोट देना है। इसकी मानसिकता बना चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति से कोई विशेष फर्क नही पड़ेगा। उनके विधानसभा क्षेत्र पाटन से भी हम बढत बनाएंगे। पूर्वमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में विकास की जगह जनता को उपेक्षित ही किया है। इसकी भरपाई वो कभी नही कर पाएंगे।

दुर्ग लोकसभा में साहू समाज की बहुलता है, कांग्रेस के प्रत्याशी साहू समाज से है इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? इस सवाल के जवाब में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि वर्तमान में कांग्रेस से ज्यादा भाजपा से साहू समाज जुड़ा हुआ है। साहू समाज के लोग राष्ट्रवादी है। दुर्ग लोकसभा में साहू समाज के दो विधायक है। कांग्रेस के न्याय घोषणा पत्र के विषय में क्या कहेंगे? जवाब में श्री चंद्राकर ने कहा कि भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस के घोषणा पत्र पर जनता को कोई भरोसा नही।

मतदान की अमिट स्याही दिखाओं, मन पसंद खाना खाओं

श्रीकंचनपथ न्यूज

होटल अमित पार्क इंटरनेशनल एण्ड अमित इंटरनेशनल में वोटर्स को 6 दिनों तक मिलेगी छूट

दुर्ग। जिले में लोकसभा आम चुनाव-2024 के तृतीय चरण में 07 मई 2024 को मतदान संपन्न होना है। आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। अधिक से अधिक नागरिकों को विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए मतदान के महत्व एवं उपयोगिता बताते हुए उन्हें मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

जिला प्रशासन की इस पहल में कई स्वास्थ्य संस्थानों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा भी सहयोग करने हुए मतदाताओं को छूट की पेशकश दी गई है। इसी कड़ी में होटल अमित पार्क इंटरनेशनल और होटल अमित इंटरनेशनल ने मतदाता जागरूकता एवं मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपनी सहभागिता दी है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने मतदाता जागरूकता हेतु इस संस्थान के महाप्रबंधक अमित कुमार सिन्हा की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार होटल अमित पार्क इंटरनेशनल और होटल अमित इंटरनेशनल ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री चौधरी को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने मतदाताओं को अपनी मल्टी क्यूजिन रेस्टोरेंट में ए ला कार्टे (मेनू में से किसी एक डिश पर) 20 प्रतिशत की छूट देने एवं 3 बुफे नाश्ता खरीदने पर 1 मुफ्त देने की घोषणा की है। व्यक्ति को उंगली पर मतदान की स्याही दिखाने पर छूट का लाभ मिलेगा। यह छूट 07 मई 2024 से 12 मई 2024 (मंगलवार से रविवार) तक वैध रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950